आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 19 जून 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 200
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

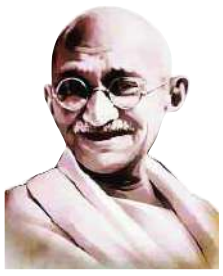

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

आज भी शहर के कई क्षेत्रों में नहीं आएगा पानी

पेज-2

जैकलीन जल्द शुरू करेंगी हॉरर फिल्म की शूटिंग

पेज-5

कर्ज लेने में नहीं चलेगी सरकार की मर्जी

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- केरल में 50 करोड़ रुपये से बनाया जाएगा मिनरल कॉरिडोर, CM वीडी सतीसन का ऐलान
- मुंबई : सैलरी बढ़ोतरी और अन्य मांगों को लेकर धारावी डिपो में BEST बस कर्मचारियों का प्रदर्शन
- च में लेबर पार्टी के एंडी बरनहम ने जीता स्पेशल इलेक्शन, PM स्टार्मर की बढ़ सकती हैं मुश्किलें
- 'पीस डील बिना शर्त ईरान का सरेंडर है', ट्रंप का बड़ा दावा
- नाइजर एयरपोर्ट पर हमला, अल कायदा से जुड़े आतंकी संगठन ने ली जिम्मेदारी
- FIFA वर्ल्ड कप 2026 : ग्रुप B के मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने बोस्निया और हर्जेगोविना को 4-1 से हराया
- अस्थ में टूट मामले में अभिषेक बनर्जी आज लोकसभा स्पीकर से मिलेंगे
- स ने ईरानी बंदरगाहों पर आने-जाने वाले समुद्री यातायात पर नौसैनिक नाकेबंदी हटाई
- पीएम मोदी पेरिस से भारत के लिए रवाना

तारीख पर तारीख... पर बारिश नहीं

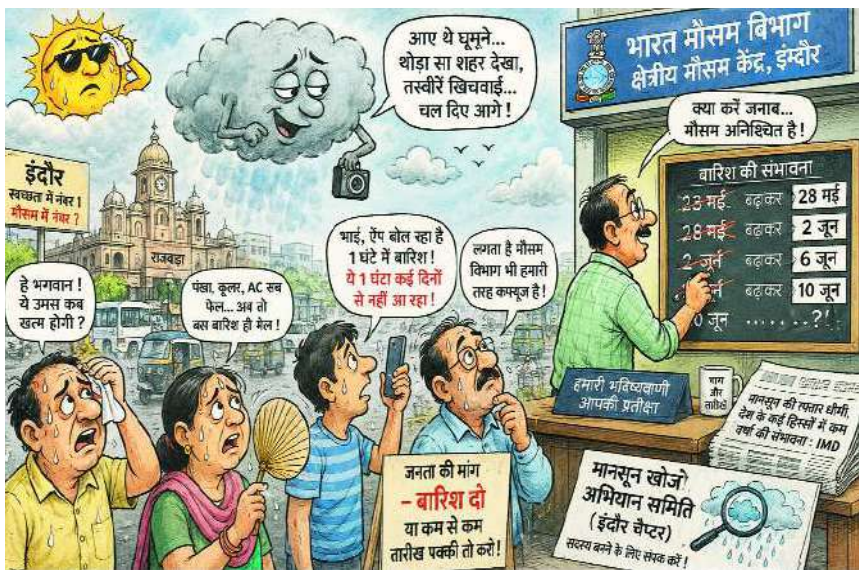

आशीष गुप्ता : 9425064357
इंदौर ◎ दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर में इन दिनों बारिश का इंतजार कुछ वैसा ही हो गया है जैसे किसी सरकारी दफ्तर में फाइल का इंतजार। सबको पता है कि आएगी, लेकिन कब आएगी, इसका उत्तर देने वाला हर व्यक्ति अलग-अलग तारीख बता रहा है।

मौसम विभाग भी इन दिनों किसी ज्योतिषीय चैनल से कम नहीं लग रहा। सुबह बताया जाता है कि 'अगले 48 घंटे में अच्छी बारिश की संभावना है।' 48 घंटे बीतते ही नया बुलेटिन आता है- 'अब अगले 72 घंटे महत्वपूर्ण हैं।' जनता सोच रही है कि बारिश आएगी पहले या महत्वपूर्ण घंटे खत्म होंगे पहले!

इंदौर के बादल भी बड़े स्वाभिमानी निकले। शहर के ऊपर आते हैं, थोड़ी देर मंडराते हैं, दो-चार बिजली चमकाकर फोटो खिंचवाते हैं और फिर बिना बरसे आगे बढ़ जाते हैं। मानो कह रहे हों- 'हम केवल दर्शन देने आए थे, सेवा देने नहीं।'

उधर उमस ने शहर में स्थायी निवास बना लिया है। लोग पंखे के नीचे बैठकर पसीना पोंछ रहे हैं और एसी वाले भी यह स्वीकार कर चुके हैं कि प्रकृति के सामने उनकी तकनीक सीमित है। हालात ऐसे हैं कि आदमी न गर्मी से लड़ पा रहा है, न बारिश का स्वागत कर पा रहा है। मौसम ने जनता को बीच मझधार में छोड़ रखा है।

चौराहों, चाय की दुकानों और सोशल मीडिया पर मौसम वैज्ञानिकों की संख्या अचानक बढ़ गई है। हर दूसरा व्यक्ति मोबाइल पर रडार देखकर बता रहा है- 'बस भाई, ये देखो बादल उज्जैन पार कर चुके हैं, एक घंटे में इंदौर।' लेकिन वह एक घंटा कई दिनों से नहीं आ रहा।

किसानों की नजर आसमान पर है, शहरवासियों की नजर मौसम ऐप पर और मौसम विभाग की नजर शायद किसी नई तारीख पर। हर दिन नई संभावना, नया अनुमान और नई प्रतीक्षा। कहा जाता है कि मानसून जीवन में नई ऊर्जा लेकर आता है। लेकिन इस बार ऐसा लग रहा है कि मानसून स्वयं ऊर्जा जुटाने में लगा हुआ है। देश के कई हिस्सों में मानसून की रफ्तार धीमी बताई जा रही है और मौसम विभाग ने इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा की संभावना भी जताई है।

विधायकों की सिफारिशों को नजरअंदाज किए जाने पर हुए खफा

तबादलों की उलझन के बीच मंत्रियों की जनप्रतिनिधि करेंगे संगठन से शिकायत

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ◎ तबादलों पर एक दिन की और मोहलत भी जनप्रतिनिधियों की उलझन नहीं सुलझा सकी है। अब प्रदेश में तबादलों पर प्रतिबंध एक बार फिर प्रभावी हो गया है। 16 जून की रात 12 बजे से तबादलों पर दोबारा रोक लग चुकी है। इस बीच तबादला प्रक्रिया को लेकर जनप्रतिनिधियों और संगठन पदाधिकारियों में भारी नाराजगी सामने आई है।

स्थिति यह रही कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा एक दिन की अतिरिक्त मोहलत दिए जाने के बावजूद अधिकांश विधायक, सांसद और संगठन से जुड़े नेताओं की सिफारिशों पर तबादले नहीं हो सके। दरअसल, राज्य सरकार ने पहले 15 जून तक तबादलों की अनुमति दी थी। कल हुई कैबिनेट बैठक में मंत्रियों के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने तबादलों पर लगा प्रतिबंध 16 जून की रात 12 बजे तक के लिए एक दिन और हटाने का फैसला किया था। उम्मीद थी कि इससे लंबित मामलों का निपटारा हो जाएगा, लेकिन अंतिम दिन भी व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं चल सकी।

मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष से करेंगे शिकायत-सूत्रों के अनुसार, अब कई विधायक और सांसद, मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी नाराजगी दर्ज कराने की तैयारी में हैं। वहीं संगठन से जुड़े पदाधिकारी इस पूरे मामले को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के समक्ष शिकायत रखने की योजना बना रहे हैं। उनका आरोप है कि जनप्रतिनिधियों की अनुशंसाओं को महत्व नहीं दिया गया और विभागीय स्तर पर मनमाने तरीके से तबादले किए गए।

अफसरों ने भी नहीं सुनी-स्थिति इतनी अव्यवस्थित रही कि कई विधायकों और सांसदों के प्रतिनिधि जब विभागीय कार्यालयों में तबादलों से संबंधित दस्तावेज जमा कराने पहुंचे तो अधिकारियों ने उन्हें लेने से ही इंकार कर दिया।

तीन दिन रहा भारी अफरा-तफरी का माहौल

तबादलों की प्रक्रिया के अंतिम तीन दिन 14, 15 और 16 जून को भोपाल में भारी अफरा-तफरी का माहौल रहा। विभिन्न जिलों से आए विधायक, सांसद और अन्य जनप्रतिनिधि अपने-अपने प्रस्तावों पर तबादले करवाने के लिए मंत्रियों और विभागीय अधिकारियों के यहां चक्कर लगाते रहे। कई जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि अधिकांश मंत्री उपलब्ध नहीं थे। उनके मोबाइल फोन बंद मिले और सरकारी बंगलों पर भी ताले लगे रहे। जिन मंत्रियों से मुलाकात हो सकी, उनमें से कुछ के साथ जनप्रतिनिधियों की तीखी बहस तक हुई।

निगम की एमआईसी में उठा कैलाश विजयवर्गीय के गायब फोटो का मामला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ◎ नगर निगम की एमआईसी में एक बार फिर पोस्टर राजनीति गरमा गई है। एमआईसी सदस्य और पार्षद मनीष शर्मा 'मनीष मामा' ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम कमिश्नर के सामने सीधे सवाल उठाया है कि मुख्यमंत्री की मौजूदगी में नगर निगम के पोस्टरों में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का फोटो क्यों नहीं लगाया जा रहा।

निगम परिषद की बैठक में उठा मुद्दा-मनीष मामा का कहना है कि कैलाश विजयवर्गीय इंदौर के कद्दावर नेता और प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री हैं। बावजूद इसके सीएम मोहन यादव के इंदौर में होने वाले नगर निगम के कार्यक्रमों के पोस्टर-बैनर में उनका फोटो नजर नहीं आता। उन्होंने महापौर और कमिश्नर से इस पर स्पष्टीकरण मांगा है।

विजयवर्गीय खुद पोस्टर के खिलाफ -हालांकि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय 19 अप्रैल 2026 को अपने जन्मदिन से पहले वीडियो जारी कर चुके हैं। उन्होंने समर्थकों से अपील की थी कि उनके जन्मदिन पर कोई बैनर-पोस्टर न लगाए जाएं। नगर निगम को भी निर्देश दिए थे कि अगर उनके नाम का कोई पोस्टर लगे तो तुरंत हटा दिया जाए। उनका तर्क था कि इससे शहर की खूबसूरती खराब होती है और निगम को दिक्कत होती है।

प्रभार का भी है कनेक्शन-राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भूरूमोहन यादव ने इंदौर जिले का प्रभार खुद अपने पास रखा है, जबकि विजयवर्गीय को धार-सतना का प्रभार दिया गया है। इसी को लेकर विजयवर्गीय ने तंज कसते हुए कहा था 'गजट में तो आप प्रभारी हैं, इसलिए अफसर आपके नाम से हमें चमकाते थे'। अब देखना होगा कि मनीष मामा की आवाज के बाद निगम प्रशासन पोस्टर नीति में कोई बदलाव करता है या फिर प्रोटोकॉल के नाम पर फोटो गायब ही रहती है।

मासूम कनिका को मिली नई उम्मीद

SMA इलाज के लिए जुटे 8.23 करोड़ रुपये

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ◎ स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (SMA) टाइप-2 जैसी दुर्लभ बीमारी से जूझ रही इंदौर की मासूम कनिका शर्मा के इलाज की राह अब आसान होती नजर आ रही है। बच्ची के इलाज के लिए जरूरी लगभग 9 करोड़ रुपये की राशि में से 8.23 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं।

अब केवल करीब 70 लाख रुपये की और जरूरत है, जिसके बाद कनिका को जीवनरक्षक इंजेक्शन लगाया जा सकेगा।

कनिका के माता-पिता पिछले कई महीनों से बेटी के इलाज के लिए देशभर में लोगों से मदद की अपील कर रहे हैं। परिवार ने क्राउडफंडिंग अभियान के जरिए बड़ी राशि जुटाई है।

किसी से किया दुलार, किसी के सिर पर रखा हाथ, छात्राओं से इस अंदाज में मिले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ◎ मध्यप्रदेश के स्कूलों में 18 जून से चहल-पहल बढ़ गई। दरअसल, कल राज्य के स्कूलों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का दूसरा चरण आयोजित किया गया। इस मौके पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर के शासकीय शारदा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद भी किया।

उन्होंने स्कूल की प्रयोगशाला का अवलोकन किया और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान स्कूल का माहौल पूरी तरह बदला-बदला नजर आ आया। सीएम ने छात्राओं से दुलार किया और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद भी दिया। सीएम ने उनसे कई तरह के सवाल किए, तो दूसरी तरफ छात्राओं ने भी उनसे प्रश्न पूछ लिए। छात्राओं ने उनके हर सवाल का जवाब दिया।

ग्रीन फील्ड कॉरिडोर : 48 किमी का सफर 30 मिनट में होगा तय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ◎ कल इस परियोजना का औपचारिक भूमिपूजन किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर शामिल होंगे। यह कॉरिडोर विशेष रूप से सिंहस्थ को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है ताकि लाखों श्रद्धालुओं और यात्रियों को बेहतर यातायात सुविधा मिल सके।

करीब 48.1 किलोमीटर लंबे इस फोरलेन मार्ग के निर्माण के बाद इंदौर और उज्जैन के बीच सफर का समय 30 से 35 मिनट तक सिमट जाएगा। वर्तमान में ट्रैफिक और सड़क की स्थिति के अनुसार यात्रियों को काफी अधिक समय लगता है, लेकिन नया कॉरिडोर यात्रा को तेज और सुविधाजनक बना देगा।

ग्रीन फील्ड कॉरिडोर पितृ पर्वत क्षेत्र से शुरू होकर उज्जैन के चिंतामन गणेश क्षेत्र तक पहुंचेगा। इस परियोजना का उद्देश्य केवल एक नई सड़क बनाना

नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी को आधुनिक बनाना है। इंदौर एयरपोर्ट से उज्जैन आने-जाने वाले यात्रियों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। महाकाल मंदिर और अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचना पहले की तुलना में आसान हो जाएगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर सड़क नेटवर्क किसी भी क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। इंदौर प्रदेश की आर्थिक राजधानी माना जाता है, जबकि उज्जैन धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण शहर है। ऐसे में दोनों शहरों को तेज रफ्तार सड़क से जोड़ने से व्यापार, लॉजिस्टिक्स, होटल उद्योग और पर्यटन क्षेत्र को नई ऊर्जा मिलेगी। सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजनों के दौरान भी ट्रैफिक दबाव कम करने में यह कॉरिडोर महत्वपूर्ण साबित होगा।

22 मंजिला टॉवर : देगा इंदौर को नया डिजिटल ग्रोथ का पंख

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ◎ मध्य प्रदेश तेजी से डिजिटल और तकनीकी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में इंदौर में बन रहा आईटी पार्क-3 प्रदेश की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल हो गया है। करीब 557 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही यह आधुनिक इमारत सिर्फ एक कार्यालय परिसर नहीं होगी, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोजगार और निवेश के नए अवसर भी पैदा करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परियोजना का निरीक्षण कर इसकी प्रगति पर संतोष जताया और इसे प्रदेश के आर्थिक भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया। इंदौर पहले से ही मध्य भारत का प्रमुख आईटी केंद्र माना जाता है। कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां यहां अपने कार्यालय संचालित कर रही हैं। ऐसे में आईटी पार्क-3 का निर्माण शहर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला माना जा रहा

है। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह भवन आने वाले वर्षों में तकनीकी कंपनियों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र बन सकता है। आईटी पार्क-3 को विश्वस्तरीय मानकों के अनुसार विकसित किया जा रहा है। 22 मंजिला यह ग्रीन बिल्डिंग करीब 11.25 लाख वर्गफीट क्षेत्र में फैली होगी। परियोजना का उद्देश्य सिर्फ कार्यालय उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ऐसा माहौल तैयार करना है जहां आईटी कंपनियां, स्टार्टअप्स, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर और सर्विस सेक्टर की बड़ी कंपनियां एक साथ काम कर सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की परियोजनाएं किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती हैं। जब बड़ी कंपनियां किसी शहर में निवेश करती हैं तो उसके साथ रोजगार, आवास, परिवहन, होटल, शिक्षा और अन्य सेवाओं का भी विस्तार होता है।

न्यूज ब्रीफ

पॉलीकैब ने इलेक्ट्रीशियन दिवस पर देशभर में किया विशेष सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश की नंबर 1 वायर्स और केबल्स कंपनी* तथा तेजी से बढ़ती एफएमईजी कंपनी, पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड ने 10 जून को भव्य स्तर पर 'इलेक्ट्रिशियन दिवस' मनाया। इस देशव्यापी उत्सव में विभिन्न शहरों के 10,000 से अधिक इलेक्ट्रिशियनों और उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस वर्ष पॉलीकैब की यह पहल एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन में बदल गई, जिसने इलेक्ट्रिशियनों को देश के इलेक्ट्रिकल इकोसिस्टम की रीढ़ के रूप में रेखांकित किया। कंपनी ने उनके गौरव और सम्मान का जश्न मनाते हुए उन्हें महज एक तकनीशियन नहीं, बल्कि 'इलेक्ट्रिकल सेफ्टी एक्सपर्ट्स' के रूप में स्थापित किया, जो लाखों उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय जीवन सुनिश्चित करते हैं।

शाओमी ने रेडमी टर्बो 5 लॉन्च किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शाओमी इंडिया ने आज रेडमी टर्बो 5 लॉन्च करने की घोषणा की, जिससे भारत में रेडमी टर्बो सीरीज़ की शुरुआत हुई है। उन यूज़र्स के लिए बनाया गया जो अपने स्मार्टफ़ोन से ज़्यादा की उम्मीद करते हैं, रेडमी टर्बो 5 एक प्रीमियम पैकेज में ज़बरदस्त परफ़ॉर्मेंस, बेहतरीन बैटरी लाइफ़, एडवांस्ड इमेजिंग क्षमताएं, शानदार एंटरटेनमेंट और भरोसेमंद मज़बूती देता है।

मेटा ने इंस्टाग्राम और फेसबुक पर नए सुरक्षा अपडेट लाए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मेटा ने इंस्टाग्राम, फेसबुक और मैसेंजर पर टीनेजर्स के लिए सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से कई नए अपडेट्स लाए है। ये अपडेट्स मुख्य रूप से इस पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि किशोरों को सही सुरक्षा सेटिंग्स प्राप्त हों, माता-पिता को अपने बच्चों के ऑनलाइन अनुभवों की बेहतर जानकारी प्राप्त हो, और टीनेजर्स की सेहत का समर्थन करने वाले सुरक्षा उपायों का विस्तार किया जा सके।

कृषि विकास इंदौर संभाग जितेन्द्र कुमार सिंह ने किया पदभार ग्रहण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● किसान कल्याण तथा कृषि विकास इंदौर संभाग के संयुक्त संचालक के रूप में जितेन्द्र कुमार सिंह ने आज किसान कल्याण तथा कृषि विभाग इंदौर पहुंचकर किया पदभार ग्रहण।

महापौर परिषद की बैठक में अहम निर्णय, संपत्तिकर रेट बदलने का प्रस्ताव हटाया

तीन मंजिल से अधिक ऊंची इमारतों पर नगर निगम अब लगाएगा फायर टैक्स

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में मेयर इन कौंसिल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में शहर विकास, जनहित और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई। बैठक में 25 प्रस्ताव रखे गए थे, जिसमें से राजस्व विभाग के उस प्रस्ताव को हटाया दिया गया, जिसमें सम्पत्तिकर, जलकर के रेट जोन परिवर्तन किए जाने थे। इसका विरोध खुद राजस्व समिति के प्रभारी एमआईसी सदस्य निरंजन सिह चौहान ने किया। इस प्रस्ताव के मंजूर होने से पूरे शहर में सम्पत्ति और जलकर का आर्थिक भार करदाताओं पर पड़ता। इसके बजाय निगम अब तीन मंजिल से अधिक ऊंची इमारतों पर फायर टैक्स लगाएगा।

आउटडोर विज्ञापन नीति पर निर्णय

नगर निगम क्षेत्र के सिनेमाघरों में बिना अनुमति प्रदर्शित किए जा रहे विज्ञापनों को नियमित करने का प्रस्ताव रखा गया। इसके तहत म.प्र. आउटडोर विज्ञापन मीडिया नियम 2017 के अंतर्गत पंजीयन और लाइसेंस फीस तय कर नगर निगम के राजस्व में वृद्धि की योजना पर सहमति बनी। बैठक में निगम के विनियमित कर्मचारियों को नियमानुसार स्थायी करने पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई। साथ ही सफाई मित्रों और ड्रेनेज कर्मचारियों को आकस्मिक दुर्घटना की स्थिति में चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया।

शहर विकास से जुड़े अहम फैसलें – बैठक में नगरीय क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कई प्रस्तावों पर चर्चा कर सहमति दी गई। इसमें श्मशान एवं कब्रिस्तान संचालन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने का निर्णय शामिल रहा। साथ ही विभिन्न विकास कार्यों जैसे जलप्रदाय व्यवस्था, ओवरहेड टैंक निर्माण, वर्षा जल संरक्षण और सड़क विकास परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाने पर सहमति बनी।

8100 आवास इकाइयों को मंजूरी की प्रक्रिया तेज

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत 8100 आवासीय इकाइयों के निर्माण की निविदा आमंत्रण को स्वीकृति प्रदान की गई। इससे शहर में आवासीय जरूरतों को पूरा करने और कमजोर वर्ग को आवास उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

जनकल्याणकारी शिविर में नहीं पहुंचे अधिकारी, खाली पड़ी रही कुर्सियां

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● मध्यप्रदेश सरकार द्वारा खंड स्तरीय तीन दिवसीय जन कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया जा रहा, परन्तु देपालपुर में जनकल्याणकारी योजना शिविर के नाम पर सिर्फ औपचारिकता ही पूरी की गई। अधिकारी यह जानकारी नहीं दे पाए कि शिविर में किस विभाग के कितने हितग्राहियों का पंजीयन हुआ और उनके निराकरण के लिए क्या किया। राजस्व विभाग के मामले में किसी भी पंचायत में यह सूचना नहीं दी गई कि किन-किन मामलों का निपटारा या सुनवाई की जाएगी। आयोजन में पंचायत के मंत्री नाम मात्र के मौजूद थे। भीड़ के रूप में कई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायक ही सिर्फ कुर्सी भरने के लिए मौजूद थे। वैसे देखा जाए तो एसडीएम मुख्य नोडल अधिकारी है परंतु शिविर में राजस्व विभाग से एक दिन के लिए भी एसडीएम और तहसीलदार तक नहीं आए। उन्होंने मात्र एक दिन पटवारी और कर्मचारी को भेज कर इस महत्वाकांक्षी आयोजन से इतिश्री कर ली गई। बाकी के दो दिन राजस्व विभाग के एक भी अधिकारी नहीं आए।

राजस्व विभाग से नहीं पहुंचा कोई अधिकारी-शिविर में मौजूद अधिकारियों ने भी स्वीकार किया कि राजस्व विभाग से मात्र एक ही दिन अधिकारियों ने उपस्थिति दर्ज करवाई। महिला बाल विकास, कृषि विभाग, खाद्य विभाग के साथ अन्य विभाग के सभी अधिकारी या उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे परंतु राजस्व विभाग से एक भी अधिकारी नहीं आया। तहसीलदार संगीता गोलिया को दो बार अलग-अलग समय पर मोबाइल लगाया लेकिन उन्होंने अटेंड नहीं किया। जनपद सीईओ पूजा मालाकार ने भी थोड़ी देर बाद बात करने का कहते हुए मोबाइल डिसकनेक्ट कर दिया।

लीकेज : आज भी शहर के कई क्षेत्रों में नहीं आएगा पानी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नर्मदा जल प्रदाय व्यवस्था की मुख्य जीआरपी लाइन में लीकेज सुधार कार्य के चलते शुक्रवार, 19 जून को शहर के कई क्षेत्रों में जल प्रदाय प्रभावित रहेगा। नगर निगम ने प्रभावित इलाकों में अतिरिक्त जल टैंकरों की व्यवस्था करने के साथ नागरिकों से पानी का संरक्षण करने की अपील की है। जीआरपी लाइन का मरम्मत कार्य तेज गति से किया जा रहा है। निगम अधिकारियों के अनुसार पूर्व में लगाई गई डमी प्लेट को हटाने के लिए गुरुवार दोपहर 12:45 बजे नर्मदा प्रथम और द्वितीय चरण के सभी पंप अस्थायी रूप से बंद किए गए थे। तकनीकी कार्य पूर्ण होने के बाद पंप गृह क्रमांक-5 से सभी पंपों को पुन: शुरू करने की प्रक्रिया देर शाम तक पूरी होने की संभावना है। नर्मदा कंट्रोल रूम बिजलपुर में आवश्यक दबाव बनने के बाद विभिन्न जलाशयों और टंकियों को भरने का कार्य शुरू किया जाएगा। हालांकि पंप बंद रहने के कारण कुछ टंकियां अपनी पूर्ण क्षमता तक नहीं भर पाएंगी।

जनजातीय संग्रहालय में शास्त्रीय गायन एवं भरतनाट्यम की प्रस्तुति 21 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश शासन, संस्कृरति विभाग द्वारा विश्वस योग एवं संगीत दिवस के अवसर पर 21 जून को एक साथ 14 अलग-अलग स्थलों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सभी कार्यक्रमों में मध्य प्रदेश एवं देश के सुप्रतिष्ठित कलाकारों की प्रस्तैुतियां आयोजित की जा रही हैं। संचालक, संस्कृतति श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि भारतीय शास्त्रीय संगीत भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण अंग है। यह केवल सुरों और रागों का समुच्चय नहीं, बल्कि साधना, भावना और आत्मा की ऊँचाइयों तक पहुँचने का एक माध्यम है। भारतीय संगीत आत्मानुभव, आत्म आनन्द और मन को शांति प्रदान करने का भी माध्ययम है। संगीत की सुदीर्घ परम्पराओं का उत्सव मनाना हमारे लिए हर्ष का विषय है। साथ ही नई पीढ़ी को अपनी संस्कृ ति एवं परम्पउराओं के बारे में जागरुक करना भी विभाग का महत्वपूर्ण दायित्वम है। इसी उद्देश्य के साथ 21 जून को मध्येप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, भोपाल में एक दिवसीय संगीत-नृत्यथ का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्रथम प्रस्तुति सुश्री प्रदक्षिणा भट्ट, भोपाल की शास्त्री य गायन की होगी। इसके पश्चासत सुश्री स्मिता महाजन, पुणे का भरतनाट्यम होगा। कार्यक्रम सायं 7 बजे से प्रारंभ होगा एवं प्रवेश नि:शुल्कु होगा। नामदेव ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन, संस्कृति विभाग अंतर्गत संचालित प्रदेश के शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालयों में भी सांस्कृ तिक आयोजन किये जा रहे हैं। इसमें शासकीय संगीत महाविद्यालय, नरसिंहगढ़ में युवा संगीतज्ञ आकाश गुंटीवार, भोपाल का शास्त्री य गायन एवं सुश्री मोहिका सक्सेतना, भोपाल की भरतनाट्यम नृत्य। की प्रस्तुति होगी।

भोपाल, उज्जैन, खंडवा के लिए जुलाई से चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें

एआईसीटीसीएल ने टेंडर प्रक्रिया शुरू की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर से छह रूटों पर चलेंगी 26 इलेक्ट्रिक बसें, जुलाई से होगी शुरुआत इसके लिए एआईसीटीसीएल ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। शहर से भोपाल, उज्जैन, खंडवा, खरगोन, मांडू और सेंधवा के लिए जल्द ही इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू होने जा रही है।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत जुलाई से इन छह रूटों पर 26 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। इसके लिए एआईसीटीसीएल ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। पहले चरण में 12 मीटर लंबी 26 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। बसों में जीपीएस आधारित लाइव ट्रैकिंग, पैनिक बटन, सीसीटीवी कैमरे और रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं होंगी। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए सभी बसों को सेंट्रल कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाएगा। चयनित ऑपरेटरों को नई इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराने के साथ रूटों पर चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित करने होंगे।

मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर बस ऑपरेटरों की बैठक सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आगामी मानसून एवं संभावित अतिवर्षा तथा बाढ़ की परिस्थितियों से निपटने के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप कुमार शर्मा द्वारा इन्दौर संभाग में संचालित बस ऑपरेटरों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्षाकाल के दौरान यात्री सुरक्षा एवं सुगम परिवहन संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बस ऑपरेटरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी शर्मा ने निर्देशित किया है कि पुल-पुलियों पर पानी का बहाव होने की स्थिति में किसी भी परिस्थिति में वाहन को पार न कराया जाए। जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी चेतावनियों का पूर्णत: पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी बसों में ब्रेक, स्टेयरिंग, वाइपर, ब्रेक लाइट, फॉग लैंप, इंडिकेटर, हेडलाइट एवं अन्य तकनीकी उपकरणों की जांच कर उन्हें सुचारू स्थिति में रखा जाए। वाहनों में स्पीड गवर्नर कार्यशील होना चाहिए तथा वाहन नियंत्रित गति से संचालित किए जाएं।

टमाटर, गिलकी व लौकी जैसी सब्जियों के दाम बढ़े

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भीषण गर्मी और मानसून की कछुआ चाल ने मध्यप्रदेश में आम जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित करना शुरू कर दिया है। इस मौसमी संकट की सबसे सीधी गाज रसोई के बजट पर गिरी है, जिससे हरी सब्जियों की आवक में भारी कमी आई है और उनके दाम आसमान छूने लगे हैं। मंडियों में गिलकी, लौकी, टमाटर, पालक और बैंगन जैसी रोजमर्रा की सब्जियों की आवक बहुत कम हो गई है, जिसके चलते बाजार में कीमतों का ग्राफ लगातार ऊपर की ओर भाग रहा है।

सम्पत्ति का मौके पर सर्वे : संबंधित पक्षों को नोटिस दिया जाएगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर नगर निगम में संपत्तियों का नामांतरण करने के लिए चल रही व्यवस्था में बड़े परिवर्तन किए गए हैं। नए परिवर्तन के अनुसार अब संपत्ति का मौके पर सर्वे भी किया जाएगा और सभी संबंधित पक्षों के नाम पर नोटिस भी जारी किए जाएंगे। नामांतरण के लिए रजिस्ट्री की प्रमाणित प्रति को भी अनिवार्य किया गया है।

फर्जी दस्तावेजों से महालक्ष्मी नगर में संपत्ति का नामांतरण किए जाने का मामला पिछले दिनों उजागर हुआ था। इस मामले में जोनल कार्यालय के सहायक राजस्व अधिकारी और निगम के ही एक अन्य कर्मचारी को निलंबित किया गया है। इस मामले

के उजागर होने के पहले भी इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं। इस स्थिति को देखते हुए निगम के राजस्व विभाग के अपर आयुक्त आकाश सिंह द्वारा नामांतरण की व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था से फर्जी व कूटरचित दस्तावेजों से नामांतरण पर रोक लगेगी, वहीं नकली काम करने वाले सीधे-सीधे आपराधिक धाराओं में फंस सकते हैं। संपत्ति खरीदने पर जहां खरीदार और बेचवाल का आधार कार्ड आवेदन साथ अनिवार्य किया गया है, वहीं रजिस्ट्री की सर्टिफाइड कॉपी, जाहिर सूचना आदि को अनिवार्य किया गया है। नामांतरण के लिए आवेदन केवल दावेदार या उसके द्वारा नियुक्त किया गया वकील ही वकालतनामा देकर करवा सकेंगे।

इस नई व्यवस्था में वारिस नाते होने वाले नामांतरण में भी यही प्रक्रिया रहेगी। सभी दावेदार के शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र ओरिजनल, जाहिर सूचना की व्यवस्था को लागू किया गया है। अब बिल कलेक्टर के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि किसी भी नामांतरण के आवेदन में उसके द्वारा मौके पर जाकर जांच की जाएगी। इसके साथ ही नामांतरण से संबंधित सभी पक्षों के नाम पर नगर निगम द्वारा नोटिस भी जारी किया जाएगा। नामांतरण की जानकारी जाहिर सूचना के रूप में पहले भी प्रकाशित होती रही है। उस व्यवस्था को निरंतर रखा गया है।

लंदन के स्टेनमोर स्वामिनारायण मंदिर में भव्य-दिव्य 'सोम यज्ञ' का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री स्वामीनारायण मंदिर, स्टेनमोर में हिंदू धर्म की सबसे प्राचीन और अत्यंत महत्वपूर्ण वैदिक धार्मिक विधियों में से एक भव्य 'सोम यज्ञ' का अत्यंत मंगलमय वातावरण में आयोजन हो रहा हैं । ऋग्वेद और अन्य पवित्र वैदिक साहित्य में जिसकी महिमा का वर्णन किया गया है, ऐसे इस दुर्लभ और पवित्र यज्ञ का आयोजन 14 से 21 जून 2026 तक हो रहा हैं। इस पवित्र वैदिक महोत्सव में पूज्य संतों-महंतों की दिव्य उपस्थिति भक्तों को आशीर्वाद प्रदान कर रही हैं ।

पेड़ों की कटाई-छंटाई हुई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बिजली विभाग द्वारा इन दिनों बारिश पूर्व पेड़ों के कतई छटाई का काम किया जा रहा है। इसमें मजेदार पहलू यह है कि 5 से 6 किमी दूर भी यदि पेड़ों की कटाई छंटाई हो रही है तो पूरे अलग-अलग इलाकों में बिजली गुल कर दी जाती है। इस पर भी परेशान उपभोक्ता जब विद्युत जोन दफ्तर पर फ़ोन लगाता है तो कोई उठाने को तैयार नहीं है। बताया जा रहा है कल भी ऐसा ही हुआ बैंक कॉलोनी दशहरा मैदान अन्नपूर्णा रोड पर सड़क किनारे पेड़ों की कटाई झटाई का काम शुरू हुआ। यह काम सुबह 8 बजे से 11 बजे तक शुरू हुआ और चलता रहा और बिजली गुल पूरे इलाके में सुबह 8 बजे से 12 बजे तक गुल रही, न तो विद्युत मण्डल जोन पर कोई फ़ोन उठाने को तैयार है और न ही अधिकारी फ़ोन उठाने को तैयार है। बिजली कब आएगी ? क्यों गई इसकी जानकारी भी नहीं दी गई है। इसके विपरीत, बिजली कंपनी द्वारा कहा जा रहा है कि किसी भी तरह से यदि बिजली गुल होती है और पहले से निर्धारित है तो एक दिन पहले उपभोक्ताओं के रजिस्टर नंबर पर व्हाट्सऐप मैसेज या मैसेज किया जाएगा, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं हो रहा है।

लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन पर टिकट काउंटर नवीन भवन में स्थानांतरित

यात्रियों को अब नए भवन से ही मिलेगी टिकट एवं प्लेटफॉर्म तक सीधी पहुंच सुविधा!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल अंतर्गत लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। स्टेशन के नवीन भवन में विभिन्न परिचालन एवं यात्री सुविधाओं को चरणबद्ध तरीके से स्थानांतरित किया जा रहा है। इसी क्रम में यात्रियों की सुविधा के लिए टिकट बुकिंग काउंटर को भी पुराने स्टेशन भवन से नवीन भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि स्टेशन पर दो नए प्लेटफॉर्म एवं अतिरिक्त रेलवे लाइन के निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं। इसके लिए पुराने स्टेशन भवन को हटाया जाना है तथा इस उद्देश्य से भवन को पूर्णत: खाली कर दिया गया है। इससे पूर्व 12 जून 2026 को ट्रेन परिचालन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक नवीन स्टेशन भवन में स्थानांतरित किया जा चुका है।

अब यात्री नवीन स्टेशन भवन स्थित टिकट काउंटर से टिकट प्राप्त कर सीधे प्लेटफॉर्म तक पहुंच सकते हैं। यात्रियों की सुविधा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। स्टेशन पुनर्विकास परियोजना के अंतर्गत नवीन भवन में यात्री सुविधाओं से संबंधित अन्य कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर हैं। शीघ्र ही पुराने स्टेशन भवन को हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी, जिससे नए प्लेटफॉर्म एवं रेलवे लाइनों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। पुनर्विकास कार्य पूर्ण होने के पश्चात लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं, आकर्षक अधोसंरचना एवं बेहतर परिचालन व्यवस्थाओं से युक्त एक विकसित एवं आधुनिक रेलवे स्टेशन के रूप में क्षेत्रवासियों को समर्पित होगा!

9 मंजिला इमारतों की सघन जांच, टेंडर जारी

आईडीए का फायर सेफ्टी पर कड़ा रुख

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिल्ली के होटलों में हुए भीषण अग्निकांड और खुद इंदौर में लगातार सामने आ रही आगजनी की घटनाओं के बाद इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) पूरी तरह सतर्क हो गया है। प्राधिकरण ने अपनी सभी कमर्शियल और हाईराइज रहवासी इमारतों में जान-माल की सुरक्षा के लिए फायर सेफ्टी के कड़े प्रबंध किए हैं। अब नियमित मॉकड्रिल और सघन जांच के जरिए इन इंतजामों को धरातल पर परखा जा रहा है।

प्राधिकरण के पास वर्तमान में आधा दर्जन से अधिक बड़ी बहुमंजिला इमारतें हैं, जिनमें अमलतास हाई राइज, गुलमोहर अपार्टमेंट, हरश्रृंगार कॉम्प्लेक्स और वसुंधरा कॉम्प्लेक्स प्रमुख हैं। इन इमारतों में आवासीय फ्लैट्स के साथ ही बड़े-बड़े शोरूम, दफ्तर और व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। गौरतलब है कि स्कीम नंबर 136 स्थित 9 मंजिला हरश्रृंगार कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल पर पूर्व में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटना हो चुकी है। इस हादसे से सबक लेते हुए आईडीए ने अब उक्त कॉम्प्लेक्स में फायर फाइटिंग सिस्टम के सुदृढ़ीकरण और मेंटेनेंस के लिए नए टेंडर जारी किए हैं।

मुख्यालय में मॉकड्रिल और सख्त-निगरानी आईडीए अपने रेसकोर्स रोड स्थित 9 मंजिला मुख्यालय भवन में भी सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीर है। इस भवन में प्राधिकरण के मुख्य कार्यालय के साथ कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफओ) जैसी संस्थाओं के भी दफ्तर हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 19 जून 2026

न्यूज ब्रीफ

नीट की तैयारी कर रही छात्रा चौथी मंजिल से गिरी, मौत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●न्यू बर्ग कॉलोनी क्षेत्र में नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा की चौथी मंजिल से गिरने के बाद मौत हो गई। घटना गुरुवार देर रात की है। गंभीर हालत में उसे पहले निजी अस्पताल और फिर एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक मृतका अवंतिका पुत्री डॉ. बंशीलाल मोर्य थी। वह न्यू बर्ग कॉलोनी की एक निजी बिल्डिंग के किराए से रहती थी। गुरुवार रात वह मोबाइल पर बात करते हुए बालकनी में थी। इसके बाद वह बात करते हुए ऊपर की ओर चली गई। चौथी मंजिल पर पहुंचने के बाद वह अचानक नीचे गिर गई। तेज आवाज सुनकर बिल्डिंग में रहने वाले लोग बाहर आए और परिजनों को सूचना दी।

ओंकारेश्वर से खंडवा आएंगे 5000 से अधिक कावड़िए

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● 8 अगस्त को ओंकारेश्वर से खंडवा की ओर निकलने वाली कावड़ यात्रा को लेकर महादेवगढ़ मंदिर में बैठक आयोजित हुई। इसमें उपस्थित युवाओं ने 5000 से अधिक कावड़ियों को शामिल करने का संकल्प लिया। आयोजन को भव्य बनाने के लिए चाहत तोमर को यात्रा संयोजक व संकेत जोशी को सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। महादेवगढ़ संरक्षक का अशोक पालीवाल ने बताया महादेवगढ़ पर इस बार पूरे एक माह अखंड ओम नम: शिवाय का पाठ होगा। साथ ही 10 अगस्त को ओंकारेश्वर से आने वाली जय हिंदू राष्ट्र कावड़ यात्रा के माध्यम से मां नर्मदा का पावन जल चढ़ाया जाएगा। इस अनुष्ठान में मातृशक्ति की कावड़ यात्रा भी आएंगी। सवा लाख हनुमान चालीसा का पाठ भी श्री दादाजी भजन मंडल कैलाश जिन द्वारा समाज के माध्यम से किया जाएगा। उधर बैठक में ग्रामीण गठ नायकों की टोली बनाई है। इस मौके पर कुश पालीवाल, विशाल पासी गोपाल विश्वकर्मा, मुकेश सोलंकी, हरीश असवानी, टोनू कठोर, देवेंद्र राजावत, दिव्यांशु सोनी आदि मौजूद थे।

जलेबी चौक क्षेत्र में होटल के सामने युवक को पीटा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जलेबी चौक क्षेत्र में होटल के सामने रंजिश के चलते दो युवकों ने एक युवक के साथ जमकर मारपीट की। कोतवाली पुलिस के अनुसार लवेश पिता विक्की घारू निवासी 16 खोली की शिकायत पर गाड़ी खाना निवासी विनय सुनगत और शशांक सारसर के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। दोनों ने युवक को बेरहमी से पीटा। जिसमें वह बुरी तरह जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

तपेले में डूबी दो साल की मासूम, मौत

दैनिक इंदौर संकेत

बदनावर ● काछीबड़ोदा में घर के आंगन में खेल रही दो वर्षीय एक बच्ची की पानी से भरे बड़े तपेले (बर्तन) में डूबने से मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, बच्ची सिदर पिता सलमान मंसूरी अपनी मां सेजानाबी के साथ अपने नाना जाकिर मंसूरी के घर आई हुई थी। आज सुबह करीब 11 बजे जब वह आंगन में खेल रही थी, तभी अचानक परिजनों की नजरों से ओझल हो गई। खेलते समय बच्ची पानी से भरे एक बड़े तपेले के पास पहुंची और संतुलन बिगड़ने से उसमें गिर गई। काफी देर तक जब वह नहीं दिखी, तो परिजनों ने तलाश शुरू की। बच्ची तपेले के अंदर पानी में अचेत मिली, जिसे तुरंत बदनावर सिविल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नीट 21 जून को, प्रदेश के सेंटर्स पर जैमर-सीसीटीवी लगेंगे

भोपाल (एजेंसी) ● नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट-यूजी) 21 जून को है। परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए प्रदेश के सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और जैमर लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही स्टूडेंट्स को समय का सही अंदाजा रहे, इसके लिए हर सेंटर के बाहर एक बड़ी घड़ी लगाई जाएगी।

भोपाल में कुल 13 हजार 774 स्टूडेंट्स परीक्षा देंगे। इसे लेकर जिला प्रशासन, पुलिस के साथ रेलवे भी तैयारी कर रहा है। 32 केंद्र प्रभारियों के साथ कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने गुरुवार को वन-टू-वन मीटिंग की। इसमें बताया गया कि कई बार दो से तीन सेंटरों के नाम एक जैसे होते हैं, जिससे परीक्षार्थी कन्फ्यूज हो जाते हैं। इसलिए उन्हें केंद्र का नाम और स्थान क्लियर रखें। हमीदिया रोड पर जो सेंटर हैं, उसके रास्ते में लोग गाड़ियां खड़ी कर देते हैं। इस वजह से स्टूडेंट्स को देरी हो सकती है। इसलिए पुलिस गाड़ियों को तुरंत हटा दें। पुराने शहर में मेट्रो का काम चल रहा है। बैरिकेडिंग में सेंटर का नाम छिप सकता है। इसलिए सेंटर की ओर रास्ता दिखाने वाले बोर्ड लगेंगे।

भोपाल में 13 हजार 774, छिंदवाड़ा 4303, गुना में 1839, विदिशा में 1709, नर्मदापुरम में 1283 और

फाइल फोटो

अशोकनगर में 865 परीक्षार्थियों के आने की संभावना है। इंदौर, भोपाल और रतलाम के बीच एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाएगा। यह स्पेशल ट्रेन इंदौर एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों से भोपाल आने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में सुविधा प्रदान करेगी।

गाड़ी संख्या 09354 इंदौर-भोपाल स्पेशल ट्रेन का संचालन 20 जून को किया जाएगा। ट्रेन इंदौर स्टेशन से सुबह 11.25 बजे प्रस्थान कर फतेहाबाद में दोपहर 12 बजे, बड़नगर में दोपहर 12.42 बजे, रतलाम में 1.30 बजे, नागदा में दोपहर 2.23 बजे, उज्जैन में दोपहर 3.25 बजे, मक्सी में शाम 4.30 बजे, शुजालपुर में शाम 5.21 बजे, सीहोर में शाम 6 बजे, बैरागढ़ स्टेशन पर शाम 6.18 बजे और शाम 5 बजे भोपाल स्टेशन पर पहुंचेंगी।

इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09353 भोपाल-रतलाम स्पेशल ट्रेन 20 जून 2026 को भोपाल स्टेशन से शाम 7.40 बजे प्रस्थान कर संत हिरदाराम नगर में रात 8.08 बजे, सीहोर में रात 8.34 बजे, शुजालपुर में रात 8.59 बजे, मक्सी में रात 9.59 बजे, उज्जैन में रात 11.05 बजे एवं अगले दिन नागदा रात 12.05 बजे आगमन कर गंतव्य स्टेशन रतलाम रात 12.55 बजे पहुंचेगी। ट्रेन में 13 स्लीपर कोच, 2 सामान्य श्रेणी एवं 2 एसएलआर/डी सहित कुल 17 कोच रहेंगे। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि नीट परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए और उनके आवागमन को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से ये स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

11 दिवसीय अंजनशलाका महोत्सव शुरु, गच्छाधिपति नित्यसेन सूरीश्वर महाराज का मंगल प्रवेश हुआ

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिले के कुक्षी में स्थित ऐतिहासिक भगवान शांतिनाथ जैन मंदिर में प्रतिमा प्रतिष्ठापना के उपलक्ष्य में 11 दिवसीय अंजनशलाका महामहोत्सव की शुरुआत हो गई है। इस आयोजन के प्रतिष्ठाचार्य और वर्तमान गच्छाधिपति श्रीमदविजय नित्यसेन सूरीश्वरजी महाराज का मंगलवार को कुक्षी में प्रवेश हुआ। यह धार्मिक महामहोत्सव 25 जून तक संचालित होगा, जिसे लेकर पूरे जैन समाज में उत्साह है। आचार्यश्री के नगर आगमन पर शोभायात्रा निकली। आनंदगंज मंडी से शुरू हुई इस शोभायात्रा में जैन श्रावक-श्राविकाओं ने जगह-जगह गुरुदेव की गहुली (रंगोली) सजाकर और पलक-पावड़े बिछाकर स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक गुरुदेव की चरण वंदना कर आशीर्वाद लिया। शोभायात्रा के दौरान राजनीति

और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने आचार्यश्री का वंदन किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री रंजना बघेल और पूर्व विधायक मुकामसिंह किराड़े ने गुरुदेव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। वहीं, क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्रसिंह हनी बघेल के प्रतिनिधियों ने आचार्यश्री को शाल भेंट कर उनका बहुमान किया। अंबिका चौक पर पाटीदार समाज सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा भी महाराज का अभिनंदन किया गया। शोभायात्रा के जैन उपाश्रय पहुंचने पर श्रीसंघ के अध्यक्ष मनोहरलाल पौराणिक ने सामूहिक गुरुवंदन की क्रिया संपन्न कराई। इसके बाद धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य नित्यसेन सूरीश्वर महाराज ने कुक्षी के समाजजनों के उत्साह और अटूट समर्पण की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव केवल कुक्षी ही नहीं, बल्कि पूरे मालवांचल और निमाड़ांचल के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। यह आयोजन धर्म, अटूट भक्ति और सामाजिक एकता की अनूठी मिसाल पेश करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव काफिला रुकवाकर झाँसी की रानी के वंशज अतुल झाँसीवाले का सम्मान किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर गुरुवार को सुबह किला मैदान स्थित रानी लक्ष्मीबाई के प्रतिमा स्थल पर यंग इंडिया क्लब की मेजबानी में चल रहे पुष्पांजलि कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी अचानक शामिल हो गए और जब उन्हें बताया गया कि यहाँ झाँसी की रानी की पांचवी पीढ़ी के वंशज अतुल झाँसीवाले का सम्मान किया जा रहा है तो अपनी सहजता-सरलता के चलते मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्लब के अध्यक्ष श्याम अग्रवाल से आग्रह किया कि झाँसीवाले का सम्मान वे स्वयं करेंगे। मुख्यमंत्री ने अग्रवाल से पुष्प माला, दुपट्टा और स्मृति चिन्ह लेकर अतुल झाँसीवाले का आत्मीय सम्मान किया और उनके परिजनों से भी कुशल क्षेम पूछे। क्लब के अध्यक्ष श्याम अग्रवाल ने बताया कि नगर निगम द्वारा जिंसी चौराहे से किला मैदान तक पिछले दिनों से की जा रही तोड़फोड़ के चलते क्लब ने पहले ही निर्णय ले

लिया था कि बलिदान दिवस पर औपचारिक कार्यक्रम ही होंगे, लिहाजा सुबह करीब 10 बजे जब प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि कार्यक्रम और मानव श्रृंखला बनाने के आयोजन चल ही रहे थे कि तभी वीआईपी रोड किला मैदान से गुजर रहे मुख्यमंत्री के काफिले की निगाह इस कार्यक्रम पर पड़ी तो काफिला रुकवाकर वे स्वयं आए और अग्रवाल से पूछा कि, मैं भी शामिल हो जाऊं, तो वहां मौजूद सभी साथियों की खुशियों का ठिकाना नहीं रहा। मुख्यमंत्री ने प्रतिमा की बजाय महारानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर माल्यार्पण किया और अतुल झाँसीवाले का सम्मान कर उनके परिवारजनों से भी हालचाल पूछे। करीब 10 मिनिट तक मुख्यमंत्री डॉ. यादव वहां रुके और इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित यंग इंडिया क्लब के सतीश सेन, यशवंत गायकवाड, हितेश अग्रवाल, महेश कश्यप, राजेश शर्मा, डॉ. निर्मल महाजन, मनोज गोपाले, नरेश दुबे, राहुल अग्रवाल, सुधीर सेठिया, संजय खानविलकर, दिनेश अग्रवाल एवं शरद सिरपुरकर से भी मुलाकात की।

नाबालिक छात्र ने शिक्षक को बदनाम करने के लिए एआई से बनाई आपत्ति जनक वीडियो

गुरु-शिष्य के रिश्ते को किया तार-तार, एआई से बदनाम करने की साजिश का पर्दाफाश

- विशेष वर्ग के नाबालिग युवक ने देश के प्रधान मंत्री को भी नहीं छोड़ा।
- प्रधानमंत्री के लिए भी लिखे गलत शब्द। मोदी मिलनी अल्लाह
- गुरु के एहतराम को ठेस पहुंचाने वाली हरकत का खुलासा
- सोशल मीडिया पर फैलाने का मामला, पुलिस जांच में नाबालिग छात्र की भूमिका सामने आई

निलेश चौहान (94250-77209)

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

तालीम और तहजीब का रिश्ता माने जाने वाले गुरु-शिष्य संबंध को झकझोर देने वाला और इस पवित्र रिश्ते को ही सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है । जिस छात्र को एक शिक्षक ने शिक्षा और मार्गदर्शन दिया, उसी पर अपने गुरु की प्रतिष्ठा धूमिल करने के लिए वाला एक मामला गौतमपुरा में सामने आया है । एक सम्मानित शिक्षक और प्राचार्य की साख को नुकसान पहुंचाने की नीयत से सोशल मीडिया पर महीनों तक आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो प्रसारित किए जाने के मामले में पुलिस जांच ने चौंकाने वाला खुलासा किया है । जांच में सामने आया कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे उसी विद्यालय का एक नाबालिग छात्र शामिल था, जिसे संबंधित शिक्षक ने स्वयं शिक्षा दी थी । प्राप्त जानकारी के अनुसार गौतमपुरा निवासी राजू कृष्णन ने दो माह पूर्व थाना गौतमपुरा, एवं साइबर महू में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर भ्रामक और आपत्तिजनक सामग्री वायरल की जा रही है । इंस्टाग्राम पर द बेवकूफ नाम से एक आईडी बनाई गई हे जिसमें लगातार अलग-अलग पोस्टों के माध्यम से उनकी पहचान को लेकर भ्रम फैलाने और सामाजिक प्रतिष्ठा को धूमिल करने की कोशिश की जा रही थी । शिक्षक ने बताया कि शिकायत के बाद भी 13 जून तक उनकी की छवि को धूमिल करने के वीडियो इंस्टाग्राम पर डाले जा रहे थे। जिसमें उन्हें मुस्लिम महिला के साथ जोड़ा गया, इसके अलावा देश के प्रधान मंत्री के लिए भी लिखा मोदी मिलोनी अल्लाह ओर शिक्षक को उस पर नृत्य करते प्रस्तुत किया, शिक्षक को एआई से मुस्लिम, क्रिश्चन, साईं बाबा और अन्य कुछ धर्मों के वेश में प्रसारित किया, शिक्षक को बिटनी भी बहाना दी गई, लगभग हर एक-दो दिन में नई पोस्ट सामने आती थी, जिनमें एआई तकनीक का इस्तेमाल कर तस्वीरों और वीडियो में बदलाव किए जाते थे । इससे न केवल उनकी व्यक्तिगत छवि प्रभावित हुई बल्कि सामाजिक

और मानसिक स्तर पर भी उन्हें गहरा आघात पहुंचा हे । इधर मामले की शिकायत को देखते हुए साइबर सेल और पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की सोशल मीडिया अकाउंट, आईपी डिटेल्स और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण व मिटा से प्राप्त जानकारी के बाद जांच एक संदिग्ध तक पहुंची । रविवार 14 जून को दोपहर करीब 2 बजे पुलिस ने शिक्षक राजू कृष्णन को फोन कर थाने बुलाया । राजू कृष्णन के अनुसार थाने पहुंचने पर उनके सामने एक नाबालिग छात्र को प्रस्तुत किया गया । यह वही छात्र था जिसे उन्होंने विद्यालय में पढ़ाया था । पूछताछ के दौरान छात्र ने अपनी गलती स्वीकार कर ली । पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित कई आपत्तिजनक फोटो और वीडियो एआई तकनीक की सहायता से तैयार किए गए थे । एक शिक्षक के लिए यह बेहद दर्दनाक स्थिति है कि जिस विद्यार्थी को उसने शिक्षा, संस्कार और मार्गदर्शन दिया हो, वही उसके सम्मान और प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का माध्यम बने । उन्होंने कहा कि वर्षों की मेहनत और सामाजिक विश्वास को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किसी भी शिक्षक के लिए बेहद शर्मसार करती है । यह केवल उनकी व्यक्तिगत छवि को नुकसान पहुंचाने का मामला नहीं है, बल्कि गुरु-शिष्य के सम्मानजनक रिश्ते को भी तार-तार करने वाली घटना है ।

उन्होंने कहा कि एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों को बेहतर इंसान बनाने के लिए जीवन का बड़ा हिस्सा समर्पित करता है, ऐसे में इस प्रकार की घटना अत्यंत पीड़ादायक है । यह घटना केवल एक व्यक्ति को बदनाम करने की कोशिश नहीं, बल्कि गुरु-शिष्य संबंधों की मर्यादा और सामाजिक मूल्यों पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है । नगर में इस मामले की व्यापक चर्चा है और लोग इसे आधुनिक तकनीक के दुरुपयोग का चिंताजनक माना है । मामले को लेकर थाना प्रभारी अलका मैनिया ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशन में एफआईआर दर्ज करली हे जिस मोबाइल से शिक्षक की आईडी बनाई थी उसे भी जप्त कर नाबालिग युवक व शिक्षक के बयान भी दर्ज किए गए हे आगामी दिनों में कोर्ट में चालान पेश किया जाएगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

समंदर में बढ़ता खतरा, भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर क्यों उठे बड़े सवाल?

जहाजरानी महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग सात लाख 40 हजार पंजीकृत नाविक हैं, जिनमें से तीन लाख 23 हजार 479 सक्रिय हैं। विश्वभर के जहाजी दल में भारतीय चालक दल के सदस्यों की हिस्सेदारी लगभग 17 फीसद है। संकट के दौरान होर्मुज और उसके आसपास 550 से अधिक भारतीय नाविकों को ले जा रहे भारतीय ध्वज वाले 13 जहाज लगभग सौ दिनों तक फंसे रहे। यह कूटनीति का सबसे आवश्यक और असहज क्षण रहा होगा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत में भारतीय समुद्री नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका तथा ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते में नाविकों के संरक्षण के लिए प्रावधान होने चाहिए। दोनों की यह मुलाकात ऐसे समय में हुई, जब एक व्यापारिक जहाज पर अमेरिका के सैन्य हमले में भारतीय चालक दल के तीन सदस्यों की मौत को लेकर भारत में आक्रोश बढ़ रहा था। इसे लेकर भारत ने विभिन्न कूटनीतिक माध्यमों से आपत्ति जताई थी, लेकिन अमेरिका अपनी गलती मानने को तैयार नहीं था। वह यही कहता रहा कि नाविकों को हमारी चेतावनी पर गौर करना चाहिए था। ट्रंप से वार्ता से पहले प्रधानमंत्री ने जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। सम्मेलन में उन्होंने सीधे अमेरिका का नाम नहीं लिया, लेकिन दबाव बनाया। तभी ट्रंप को कहना पड़ा कि समुद्री नाविकों की सुरक्षा को लेकर दोनों देश मिलकर काम करेंगे। नाविकों की सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री की टिप्पणी ने दुनिया भर में अपने नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। दरअसल, होर्मुज और इसी तरह के मार्ग जब युद्धक्षेत्र बन जाते हैं, तो अर्थव्यवस्था किस कदर डगमगाती है, इसे पूरी दुनिया ने देखा। ऊर्जा की कीमतें, आपूर्ति शृंखलाएं, मुद्रास्फीति लक्ष्य और यहां तक कि वैश्विक कूटनीति भी प्रभावित दिखी। यही कारण है कि प्रधानमंत्री द्वारा यह मुद्दा उठाना महज औपचारिकता नहीं थी, बल्कि एक गंभीर पहल थी। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद से भारतीय नाविकों को समुद्री असुरक्षा का बोझ उठाना पड़ा है। जहाजरानी महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग सात लाख 40 हजार पंजीकृत नाविक हैं, जिनमें से तीन लाख 23 हजार 479 सक्रिय हैं। विश्वभर के जहाजी दल में भारतीय चालक दल के सदस्यों की हिस्सेदारी लगभग 17 फीसद है।

प्रकृति के पुनर्जन्म का भारत मॉडल: एक नई सभ्यता की शुरुआत

सभ्यताओं का भविष्य केवल संसदों में नहीं, खेतों की मिट्टी, जंगलों की हरियाली और जलस्रोतों की जीवनधारा में भी लिखा जाता है। ऐसे समय में जब दुनिया भूमि क्षरण, सूखे और मरुस्थलीकरण की गंभीर चुनौती से जूझ रही है, भारत ने आशा और संकल्प का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2011 से 2020 के बीच देश ने 21.76 मिलियन हेक्टेयर क्षतिग्रस्त भूमि को पुनर्जीवित किया है, जो 'बॉन चैलेंज' के 26 मिलियन हेक्टेयर लक्ष्य का लगभग 84 प्रतिशत है। यह केवल भूमि बहाली का आंकड़ा नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय दृष्टि का प्रमाण है जिसने विकास और प्रकृति को विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री माना। भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि जलवायु नेतृत्व संपन्नता से नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों से हासिल होता है। संकल्प और संवेदनशीलता के साथ यह यात्रा वर्ष 2015 में शुरू हुई, जब भारत ने 'बॉन चैलेंज' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। प्रारंभ में लक्ष्य 2020 तक 13 मिलियन हेक्टेयर और 2030 तक अतिरिक्त 8 मिलियन हेक्टेयर भूमि बहाली का था, जिसे बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2019 में यूएनसीसीडी के 14वें पक्षकार सम्मेलन के दौरान बढ़ाकर 26 मिलियन हेक्टेयर कर दिया गया। 17 जून 2026 को विश्व मरुस्थलीकरण विरोधी दिवस पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा जारी दूसरी प्रगति रिपोर्ट ने इस प्रगति को वैश्विक मंच पर रखा। रिपोर्ट में तेलंगाना को सर्वाधिक भूमि पुनर्स्थापन करने वाला राज्य बताया गया, जबकि आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और ओडिशा का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा। इन राज्यों ने वनरोपण, जल संरक्षण, एग्रोफॉरेस्ट्री और प्राकृतिक पुनरुत्थान से अनुपयोगी भूमि को फिर से जीवन दिया। किसी भी पर्यावरणीय कार्यक्रम की सफलता तभी है जब उसका असर सीधे जनजीवन तक पहुंचे। भारत की भूमि बहाली यात्रा की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि उसने हरियाली के साथ आजीविका भी पैदा की। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 1.22 अरब व्यक्ति-दिवस रोजगार सृजित हुए। ग्रामीण युवा, महिलाएं और सीमांत किसान इसके प्रमुख लाभार्थी बने। जहां कभी बंजर भूमि बेरोजगारी, पलायन और निराशा का प्रतीक थी, वहां आज हरे खेत, फलदार बाग और पशुधन के लिए चारा

दिखाई देता है। इस पहल ने मिट्टी को उपजाऊ बनाया, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति दी, गरीबी घटाई और गांवों को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया। यह सामाजिक न्याय और आर्थिक समावेशन का ऐसा मॉडल है, जिसकी प्रासंगिकता लंबे समय तक रहेगी।

इस उपलब्धि का पर्यावरणीय प्रभाव दीर्घकालिक है। स्वस्थ भूमि केवल फसल नहीं उगाती, बल्कि भविष्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। पुनर्स्थापित भूमि कार्बन अवशोषण बढ़ाती है, मिट्टी की उर्वरता लौटाती है और जल चक्र को संतुलित करती है। इससे सूखा और बाढ़ जैसी आपदाओं की तीव्रता कम होती है। जैव विविधता को नया आवास मिलता है और पारिस्थितिक तंत्र मजबूत होता है। वैज्ञानिक लंबे समय से मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सबसे प्रभावी और कम खर्चीला उपाय स्वस्थ भूमि है। भारत ने इस सत्य को व्यवहार में बदलकर दिखाया है, इसलिए वैश्विक भूमि बहाली विमर्श में उसकी भूमिका अग्रिम पंक्ति में है। दुनिया के सामने 'बॉन चैलेंज' का लक्ष्य 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि पुनर्स्थापन का है। इस वैश्विक अभियान में भारत का योगदान प्रेरक और नेतृत्वकारी दोनों माना जा रहा है। यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब कई विकसित देश अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों और आर्थिक प्राथमिकताओं के बीच संतुलन साधने में संघर्ष कर रहे हैं। भारत ने सिद्ध किया है कि आर्थिक विकास और प्रकृति संरक्षण अलग राहें नहीं, बल्कि साथ-साथ चलने वाली प्रक्रिया हैं। यह उपलब्धि वैश्विक दक्षिण की क्षमता का संदेश है कि समाधान संसाधनों से नहीं, बल्कि दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता से निकलते हैं।भारत की सफलता का मूल आधार उसकी नीतिगत स्पष्टता और जनभागीदारी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, ग्रीन इंडिया मिशन, संयुक्त वन प्रबंधन समितियां और राज्यों की स्थानीय पहलें मिलकर काम कर रही हैं। स्थानीय समुदायों को भागीदार और संरक्षक बनाकर प्रयासों को स्थायित्व दिया गया है। एग्रोफॉरेस्ट्री ने खेती और वानिकी के बीच सहयोग बढ़ाया है, जबकि ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी और भू-स्थानिक तकनीक ने निगरानी और मूल्यांकन को अधिक सटीक बनाया है। यही कारण है कि भारत का मॉडल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सहभागी विकास और पर्यावरण प्रबंधन का वैश्विक उदाहरण बन गया है।

फिर भी आत्मसंतोष का कोई कारण नहीं है। देश में अभी भी विशाल क्षेत्र भूमि क्षरण की समस्या से प्रभावित है। 2030 तक निर्धारित शेष लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयासों की गति और व्यापकता दोनों बढ़ानी होंगी। निजी क्षेत्र, स्टार्टअप्स, अनुसंधान संस्थानों और युवा नवाचारकों को इस अभियान से अधिक गहराई से जोड़ना होगा। जलवायु वित्त की उपलब्धता बढ़ाना भी अनिवार्य है, ताकि छोटे किसान, वनवासी और आदिवासी समुदाय इस परिवर्तन के पूर्ण लाभार्थी बन सकें। साथ ही, सतत निगरानी, वैज्ञानिक मूल्यांकन और परिस्थितियों के अनुरूप रणनीतियों में निरंतर सुधार यह सुनिश्चित करेंगे कि प्राप्त उपलब्धियां टिकाऊ और दीर्घकालिक बनी रहें। भारत की यह हरित यात्रा केवल पर्यावरण संरक्षण का अध्याय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नेतृत्व की नई परिभाषा है। इसने सिद्ध किया है कि सच्ची प्रगति वही है, जिसमें प्रकृति और मानव दोनों का भविष्य सुरक्षित हो। 21.76 मिलियन हेक्टेयर भूमि की बहाली एक उपलब्धि अवश्य है, परंतु उससे भी बड़ा महत्व उस दृष्टि का है जिसने धरती को संसाधन नहीं, उत्तरदायित्व माना। आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। वह देख रही है कि एक राष्ट्र केवल लक्ष्य निर्धारित नहीं कर रहा, बल्कि उन्हें समय से पहले वास्तविकता में बदलने का साहस भी दिखा रहा है। यह हरित क्रांति हमें स्मरण कराती है कि प्रकृति हमारी विरासत नहीं, हमारी संतानों से लिया गया ऋण है। उसकी रक्षा करके ही हम समृद्ध, सुरक्षित और सतत भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

सड़क का गणित, अहंकार का भ्रम और भारी वाहनों की मौन त्रासदी

भारतीय सड़कों पर दुर्घटना घटित होते ही प्रायः एक त्वरित सामाजिक न्यायालय सक्रिय हो जाता है। घटनास्थल पर उपस्थित भीड़ कुछ ही क्षणों में दोषी और निर्दोष का निर्णय सुना देती है। अधिकांश मामलों में यदि दुर्घटना में कोई ट्रक, बस या भारी मालवाहक वाहन सम्मिलित हो, तो आरोप का पहला तीर उसी के चालक की ओर जाता है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या सड़क दुर्घटनाओं का विश्लेषण केवल आकार और दृश्य प्रभाव के आधार पर किया जाना चाहिए, अथवा यातायात की भौतिकी, मानवीय व्यवहार और सड़क संस्कृति की गहरी समझ के आधार पर?

हाल ही में एक मालवाहक वाहन चालक श्री कमल जे. तंवर के अनुभव ने इस प्रश्न को पुनः प्रासंगिक बना दिया। इंदौर के एक व्यस्त मार्ग पर घटी घटना कोई असाधारण दुर्घटना नहीं थी; वह हमारे यातायात संस्कारों की सामान्य किंतु चिंताजनक तस्वीर थी। भारी वाहन नियंत्रित गति से चल रहा था। चौराहे पर सिग्नल हरा होते ही अनेक कार चालक एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में जुट गए। सड़क, जो सामूहिक आवागमन का माध्यम है, कुछ क्षणों के लिए प्रतिस्पर्धा के मैदान में परिवर्तित हो गई। यह दृश्य आज भारतीय नगरों की परिचित वास्तविकता है। वाहन चलाना अब केवल गंतव्य तक पहुँचने का साधन नहीं रह गया है; अनेक लोगों के लिए यह स्वयं को दूसरों से आगे सिद्ध करने का मनोवैज्ञानिक अभ्यास बन चुका है। ओवरटेक करना दक्षता का नहीं, बल्कि श्रेष्ठता का प्रतीक मान लिया गया है। परिणामस्वरूप चालक बार-बार लेन बदलते हैं, एक-दूसरे के आगे कट मारते हैं और सुरक्षित दूरी की अवधारणा को पूरी तरह भुला देते हैं।

यहीं से दुर्घटना की पृष्ठभूमि निर्मित होती है। सड़क पर चलने वाले प्रत्येक वाहन की अपनी भौतिक सीमाएँ होती हैं। एक भारी मालवाहक वाहन और एक कार की ब्रेकिंग क्षमता समान नहीं हो सकती। भौतिक विज्ञान का सरल सिद्धांत है कि अधिक भार वाले वाहन को रुकने के लिए अधिक दूरी और अधिक समय चाहिए। यदि कोई हल्का वाहन अचानक आगे आकर ब्रेक लगा दे, तो पीछे चल रहे भारी वाहन के चालक के पास प्रतिक्रिया की गुंजाइश अत्यंत सीमित रह जाती है। ऐसी स्थिति में दुर्घटना केवल चालक की गलती नहीं, बल्कि सामूहिक असावधानी का परिणाम होती है। विडंबना यह है कि सड़क पर सबसे अधिक अनुशासन की अपेक्षा जिस वर्ग से की जाती है, वही वर्ग अनेक बार सबसे कम समझा जाता है। भारी वाहन चालक लगातार तनाव, समय-सीमा, यातायात दबाव और तकनीकी सीमाओं के बीच वाहन संचालित करते हैं। वे जानते हैं कि उनकी एक छोटी सी त्रुटि भी बड़े परिणाम ला सकती है। इसके बावजूद उन्हें अक्सर सड़क पर वह सम्मान और सहयोग नहीं मिलता जिसके वे अधिकारी हैं। वास्तविक समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि सड़क संस्कृति के अभाव की है। भारत में यातायात नियमों को अभी भी बाहरी नियंत्रण के रूप में देखा जाता है, आंतरिक नागरिक संस्कार के रूप में नहीं। हम लालबत्ती पर रुकते हैं क्योंकि दंड का भय है; सुरक्षित दूरी इसलिए नहीं रखते क्योंकि उसके उल्लंघन पर तुरंत चालान नहीं होता। जबकि विकसित सड़क संस्कृतियों में सुरक्षा का आधार भय नहीं, बल्कि पारस्परिक उत्तरदायित्व होता है। सड़क पर सह-अस्तित्व का अर्थ केवल अपने वाहन को नियंत्रित रखना नहीं है। इसका अर्थ है दूसरे वाहन की सीमाओं को समझना, उसके लिए पर्याप्त स्थान छोड़ना और यह स्वीकार करना कि सार्वजनिक मार्ग व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का मंच नहीं है। किसी ट्रक या बस के सामने अचानक घुस जाना केवल यातायात नियम का उल्लंघन नहीं, बल्कि भौतिक वास्तविकताओं की अवहेलना भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सड़क सुरक्षा को तकनीकी विषय के बजाय सामाजिक व्यवहार के प्रश्न के रूप में देखा जाए। जब तक चालक यह नहीं समझेंगे कि उनकी कुछ सेकंड की अधीरता किसी अन्य व्यक्ति को कानूनी, आर्थिक और मानसिक संकट में डाल सकती है, तब तक दुर्घटनाओं की संख्या घटाना कठिन होगा। सड़क पर सुरक्षा का पहला नियम वाहन की गति नहीं, बल्कि चालक की मानसिकता है। संयम, धैर्य और सुरक्षित दूरी-ये तीनों ऐसे मूल्य हैं जिनका कोई विकल्प नहीं। सड़क पर जीत उस व्यक्ति की नहीं होती जो सबसे पहले पहुँच जाए, बल्कि उसकी होती है जो स्वयं भी सुरक्षित पहुँचे और दूसरों को भी सुरक्षित पहुँचने दे। यही सभ्य यातायात का मूल दर्शन है और यही हमारी सड़कों की सबसे बड़ी आवश्यकता। **राजकुमार जैन,** यातायात प्रबंधन विशेषज्ञ

आंचलिक

राष्ट्रपति का ओंकारेश्वर दौरा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष बोले- रहवासियों से किया वादा निभाए सरकार

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दो दिवसीय ओंकारेश्वर दौरे से ठीक पहले कांग्रेस ने भूमि के मालिकाना हक और मद परिवर्तन का बड़ा मुद्दा उठाया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तमपाल सिंह पुरनी ने सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से राष्ट्रपति के समक्ष यह विषय रखने की मांग की है। उनका कहना है कि ओंकारेश्वर के हजारों रहवासी आज भी अपने मकानों और जमीनों के स्थायी अधिकार से वंचित हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार ने आदिगुरु शंकराचार्य की प्रतिमा और उससे जुड़े विकास कार्यों के लिए भूमि का मद परिवर्तन करा लिया। हालांकि, वर्षों से बसे स्थानीय निवासियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि सरकारी परियोजनाओं के लिए प्रशासनिक प्रक्रिया तुरंत पूरी की जा सकती है, तो आम नागरिकों को भी उनके अधिकार मिलने चाहिए। पुरनी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा और राज्य सरकार ने ओंकारेश्वर के निवासियों से मालिकाना हक दिलाने का वादा किया था। लोगों को आश्वासन दिया गया था कि भूमि के मद परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी कर उन्हें जमीनों के पट्टे दिए जाएंगे। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार बनने के बाद इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है और लोग आज भी असुरक्षा में जीवन यापन कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने सरकारी योजनाओं की दी जानकारी, दो नए आंगनवाड़ी भवनों का भी किया लोकार्पण

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिले के राजगढ़ नगर में बुधवार को पुरानी कन्याशाला परिसर में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद सावित्री ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरित किया और केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।

सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य जरूरतमंद और पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी दी और संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराईं।

महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

कार्यक्रम में पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया, नगर परिषद अध्यक्ष सवेरा महेश जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य गायत्री पुरोहित, सुनील गामड़, मंडल अध्यक्ष सोहन पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। शिविर में शामिल होने से पहले सावित्री ठाकुर ने महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर महाराणा प्रताप शिव वाटिका पहुंचकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और स्वच्छता अभियान में भी हिस्सा लिया।

इसके बाद उन्होंने राजगढ़ के वार्ड क्रमांक 6 और 13 में नवनिर्मित आंगनवाड़ी भवनों का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बच्चों और महिलाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ होना जरूरी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ओंकारेश्वर पहुंचीं, कोठी हेलीपैड पर हुआ स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार दोपहर लगभग 2 बजे ओंकारेश्वर पहुंचीं। उनके आगमन को लेकर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक तैयारियां की थीं। राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर कोठी हेलीपैड पर उतरा। यहां जिले के प्रभारी मंत्री धर्मेंद्र भावसिंह लोधी और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति के आगमन के दौरान पूरा क्षेत्र अभेद्य सुरक्षा घेरे में था। कोठी हेलीपैड से एनएचडीसी गेस्ट हाउस तक के मार्ग पर विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। राष्ट्रपति का काफिला लगभग 60 वाहनों के साथ निर्धारित मार्ग से एनएचडीसी गेस्ट हाउस पहुंचा। यहां उनके विश्राम की व्यवस्था की गई है। राष्ट्रपति के दौरे के लिए ओंकारेश्वर नगर में कई दिनों से तैयारियां चल रही थीं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस, विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) सहित विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के जवान तैनात किए गए थे। प्रमुख मार्गों, घाटों, मंदिर परिसर और कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा बलों की विशेष निगरानी रही। प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए कई स्थानों पर रूट डायवर्जन लागू किया था। राष्ट्रपति के आगमन के दौरान नगर के विभिन्न मार्गों पर आम लोगों की आवाजाही नियंत्रित रखी गई। सुरक्षा कारणों से संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी की गई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने प्रस्तावित प्रवास के दौरान भगवान ओंकारेश्वर और ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन-पूजन करेंगी। वे विभिन्न कार्यक्रमों में भी शामिल होंगी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पूरे ओंकारेश्वर क्षेत्र में उत्साह का माहौल था और नागरिकों ने उनका स्वागत किया।

साई प्राधिकरण के बाहर कचरे का अंबार, बदबू से रहवासी परेशान

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● शहर के जेतपुरा क्षेत्र में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की दीवार के बाहर कई दिनों से कचरे का अंबार लगा है। इससे पूरे इलाके में गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद नगर पालिका द्वारा नियमित सफाई नहीं कराई जा रही है। रहवासियों के मुताबिक, साई परिसर की दीवार के बाहर घरेलू कचरे के साथ अन्य अपशिष्ट भी लगातार फेंका जा रहा है। कचरे का ढेर बढ़ने से आसपास का वातावरण दूषित हो रहा है। दिनभर आवारा मवेशी कचरे में भोजन तलाशते हैं और उसे सड़क पर फैला देते हैं, जिससे गंदगी और बढ़ जाती है। स्थानीय निवासी अजय सोलंकी ने बताया कि कई दिनों से कचरा नहीं उठाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के लोगों ने नगर पालिका में शिकायतें दर्ज कराई हैं, लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। निवासियों का आरोप है कि नियमित सफाई के अभाव में क्षेत्र की स्थिति लगातार खराब हो रही है। चिंता का विषय यह है कि कचरे के ढेर के ठीक पास एक हैंडपंप है, जिससे कई लोग पीने का पानी भरते हैं। निवासियों का कहना है कि गंदगी के बीच पानी भरने से उन्हें

परेशानी होती है और यदि जल्द सफाई नहीं हुई तो संक्रमण व बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ सकता है।

बरसात का मौसम शुरू होने से लोगों की चिंता और बढ़ गई है, क्योंकि इससे बीमारियों के फैलने का जोखिम और बढ़ जाता है। रहवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से तत्काल कचरा हटाने और क्षेत्र में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि उन्हें गंदगी, दुर्गंध और संभावित बीमारियों से राहत मिल सके। इस संबंध में नगर पालिका सीएमओ विश्वनाथ सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

रेप का प्रयास फिर महिला की हत्या, दो को उम्रकैद

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● रेप की कोशिश के दौरान एक महिला की हत्या के करीब साढ़े चार साल पुराने मामले में गुरुवार को सेशन कोर्ट ने दो आरोपियों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने मोहन पिता बनवारी (24) और जयपाल पिता अंबालाल (30), दोनों निवासी पंधाना पर दो-दो हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। मामले में एडीपीओ हरिप्रसाद बांके ने पक्ष रखा। 11 दिसंबर 2021 को महिला का भाई अपनी पत्नी के साथ खंडवा गया हुआ था। इसी दौरान आरोपी मोहन और जयपाल घर पहुंचे और बैलों की खरीद के बचे हुए 34 हजार रुपए देने की बात कहकर महिला को अपने साथ ले गए। कुछ देर बाद भी महिला घर नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। महिला के भाई ने आरोपी मोहन को फोन कर बहन के बारे में पूछा तो उसने कहा कि वह घर पहुंच जाएगी। बाद में परिजन चमाटी फाटा पहुंचे, जहां लोगों की भीड़ लगी थी। पास के एक सीताफल बगीचे में महिला का शव मिला। महिला के हाथ कपड़े से बंधे थे। मुंह पर भी कपड़ा बंधा हुआ था और गले में कपड़ा कसकर उसे पेड़ से बांधा गया था। यह देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। मामले में बगीचे के कर्मचारी रामविलास ने बताया था कि उसने दो लोगों को एक महिला के साथ बगीचे में जाते देखा था। इसके बाद महिला के भाई ने मोहन और जयपाल के खिलाफ छैगांवमाखन थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने महिला के गले में कपड़ा कसने की बात स्वीकार की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी गला दबाने से मौत होने की पुष्टि हुई।

सीमांकन के नाम पर 15 हजार की वसूली किसानों से रिश्वत लेने का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● खालवा तहसील के ग्राम मातापुर में जमीन सीमांकन के नाम पर दो महिला किसानों से 15 हजार रुपए की अवैध वसूली का मामला सामने आया है। पीड़ित किसानों ने खालवा तहसीलदार के माध्यम से कलेक्टर को शिकायती पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। किसानों का आरोप है कि राजस्व अमले के नाम पर यह राशि आधी नकद और आधी डिजिटल माध्यम से ट्रांसफर कराई गई है। शिकायतकर्ता दुर्गाबाई पति जगदीश और दयाबाई पति मिश्रीलाल ने अपनी भूमि के सीमांकन के लिए तहसील कार्यालय में आवेदन दिया था। इस आवेदन पर कार्रवाई करते हुए 5 जून को राजस्व अमले ने मौके पर पहुंचकर मीटर टेप से जमीन का सीमांकन किया था। महिला किसानों का कहना है कि वे इस सीमांकन की प्रक्रिया और उसके बाद सामने आए परिणाम से बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि सीमांकन कार्य पूरा होने के बाद उनसे प्रति व्यक्ति 7,500 रुपए के हिसाब से कुल 15 हजार रुपए वसूले गए। शिकायत के मुताबिक, 7,500 रुपए फोन-पे के माध्यम से ग्राम आशापुर के कोटवार की पत्नी के बैंक खाते में जमा कराए गए। वहीं, शेष 7,500 रुपए की राशि मौके पर ही नकद रूप में ली गई। यह पूरी राशि राजस्व अमले के नाम पर मांगी गई थी। किसानों ने अपने आवेदन के साथ ऑनलाइन भुगतान की रसीद, सीमांकन आदेश की प्रति और अन्य संबंधित दस्तावेज भी प्रशासन को सौंपे हैं। शिकायत में कलेक्टर से पूछा गया है कि क्या सीमांकन कार्य के लिए इस प्रकार की राशि लेने का कोई वैधानिक प्रावधान है? क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य होने के कारण अधिकांश किसान आर्थिक रूप से कमजोर हैं।

फीफा विश्वकप : पहले मैच में विफल रहे रोनाल्डो ने वापसी का वादा किया

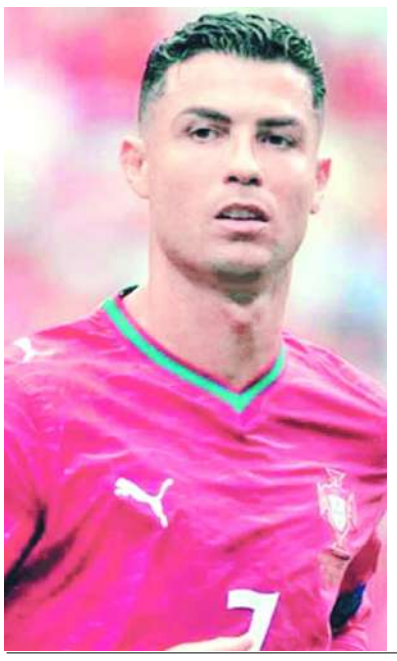

न्यूजर्सी (एजेंसी) ● पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो फीफा विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मैच में असफल रहे है। इस कारण कांगों ने मुकाबले में पुर्तगाल को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। स्टार खिलाड़ी रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन से पुर्तगाल के प्रशंसकों को भी भारी निराशा हुई। कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मुकाबले में रोनाल्डो प्रभावहीन दिखे जिसका भी नुकसान पुर्तगाल को हुआ। छठी बार विश्वकप खेल रहे रोनाल्डो से इस प्रकार के खराब प्रदर्शन की उम्मीद किसी को नहीं थी। रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा, यह वैसी शुरुआत नहीं थी जैसी हम चाहते थे पर कहा कि कि अभी खेल खत्म नहीं हुआ है। हिम्मत रखो और अगले मैच पर ध्यान दोरो। उनके इन शब्दों में निराशा के साथ-साथ अगले मैच में वापसी करने का दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा था। यह संदेश सिर्फ उनके प्रशंसकों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी टीम के लिए भी था कि उन्हें हौसला नहीं छोड़ना चाहिये। वहीं पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने भी रोनाल्डो का पूरा समर्थन किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने रोनाल्डो को शुरुआती एकादश से बाहर रखने पर विचार किया था, तो मार्टिनेज ने स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आपको गोल की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर को बाहर रखना समझदारी नहीं होती है। हमारे लिए रोनाल्डो का अनुभव महत्वपूर्ण है। कोच के इन शब्दों से साफ है कि वे अभी भी रोनाल्डो पर पूरा भरोसा करते हैं और उनका मानना है कि अनुभवी खिलाड़ी की उपस्थिति और नेतृत्व टीम के लिए बेहद मूल्यवान है।

फीफा विश्व में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले लिनेकर की बराबरी पर आये केन

अर्लिंग्टन (एजेंसी) ● फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागकर अपनी टीम को क्रोएशिया के खिलाफ 4-2 से जीत दिलाने के दौरान ही एक ऐतिहासिक रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। केन ने अब दिग्गज खिलाड़ी रहे गैरी लिनेकर के इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्वकप में सबसे अधिक गोल दागने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। केन अब इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान लिनेकर के रिकॉर्ड की बराबरी की है। इस मुकाबले से पहले लिनेकर के 10 विश्व कप गोल की बराबरी करने के लिए केन को दो गोल की जरुरत थी जो उन्होंने इस मैच में दाग दिये। उन्होंने 12वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से अपना पहला गोल दागा, जिसके साथ वह विश्व कप इतिहास में पांच पेनल्टी पर गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। हाफ टाइम से ठीक पहले उन्होंने मैच का अपना दूसरा गोल दागकर अपने देश के लिए एक नया इतिहास रच दिया। अब हैरी केन और गैरी लिनेकर दोनों के नाम 12 विश्व कप मैचों में 10-10 गोल दर्ज हैं। हैरी ने पहली बार फीफा विश्व कप साल 2018 में खेला था, जहां उन्होंने अपने पहले ही टूर्नामेंट में 6 गोल के साथ गोल्डन बूट जीता था और इंग्लैंड को सेमीफाइनल तक पहुंचाया था। इसके बाद 2022 के विश्व कप में 2 गोल किये थे।

10 मार्च से शुरू होगा आईपीएल का अगला सत्र : सैकिया

मुंबई (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 2027 सत्र 10 मार्च में शुरु हो सकता है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि मार्च की शुरुआत में ही सत्र शुरु करने का फैसला इसलिए लिया गया है ताकि खिलाड़ियों, दर्शकों सहित सभी लोगों को तेज गरमी से बचाया जा सके। सैकिया के अनुसार देश के अधिकांश हिस्सों में मई में पड़ने वाली भीषण गर्मी से बचने के लिए लीग को अगले साल से 10 मार्च से 15 मई तक रखे जाने की योजना बनायी गयी है। सैकिया ने हालांकि साफ कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए मैचों की संख्या 74 से बढ़ाकर 94 करने का कोई इरादा नहीं है। गौरतलब है कि आईपीएल आमतौर पर मार्च के अंतिम सप्ताह में शुरू होता है और मई के अंत तक चलता है। सैकिया ने कहा कि आईपीएल को जल्दी शुरू करने से खिलाड़ी ही नहीं दर्शकों को भी लाभ होगा। उन्होंने कहा, ''इस साल आईपीएल मार्च अंत में शुरू हुआ और 31 मई तक चला। 15 मई के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चरण में बारिश या मानसून से पहले के मौसम से व्यवधान पड़ने की आशंका बनी रहती है।'' सैकिया ने कहा, ''इसके अलावा मई में मौसम काफी गर्म हो जाता है जो न तो खिलाड़ियों के लिए और ना ही दर्शकों के लिए सही होता है।''

भगवान की भक्ति की राह पर निकल पड़ी एक्ट्रेस प्रनवी तिवारी

मुंबई (एजेंसी) ● प्रनवी तिवारी भगवान की भक्ति की राह पर निकल पड़ी हैं। प्रनवी तिवारी ने कृति सेनन जैसी शीर्ष अभिनेत्री के साथ स्क्रीन साझा कर चुकी थीं और अभिनय की दुनिया में आने से पहले एक एयर होस्टेस के तौर पर काम करती थीं। यह एक ऐसा फैसला है जिसने सभी को हैरान कर दिया है, लेकिन प्रनवी ने सुकून पाने की चाह में ईश्वर भक्ति को चुना है। प्रनवी तिवारी ने खुद को पूरी तरह कृष्ण भक्ति में रमा लिया है और आज वह वृंदावन में प्रभु के चरणों में अपना जीवन बिता रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, वह अदाकारा बनने से पहले एयर होस्टेस के तौर पर काम करती थीं, जिसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया में कदम रखा। प्रनवी तिवारी ने एक बातचीत में बताया कि वह पूरी तरह अभिनय में अपना करियर बनाना चाहती थीं, लेकिन इस सबके बावजूद उनका मन हमेशा अशांत रहता था। उन्हें पिछले दो सालों से लगातार ऐसा महसूस हो रहा था कि उनकी जिंदगी में कुछ अधूरा है, एक ऐसी खाली जगह जो किसी भी भौतिक सुख से नहीं भरी जा सकती। इसी सुकून की तलाश ने प्रनवी को आध्यात्मिक मार्ग पर खींच लिया। उन्होंने पिछले कुछ समय पहले पूज्य प्रेमानंद जी महाराज के प्रवचन सुनना शुरू किया। महाराज जी की बातों का उनके दिल पर इतना गहरा असर हुआ कि उन्हें समझ आ गया कि उनकी आत्मा को जिस शांति की तलाश थी, वह यहीं भक्ति मार्ग पर मिलेगी।

जैकलीन जल्द शुरू करेंगी हॉरर फिल्म की शूटिंग

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज जल्द ही अपनी पहली हॉरर फिल्म में नजर आएंगी। लंबे समय से इस शैली में एक दमदार और अलग कहानी की तलाश कर रहीं जैकलीन को अब ऐसा प्रोजेक्ट मिल गया है, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं। सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म हॉरर, इमोशन और संगीत का अनूठा मिश्रण होगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगी। फिल्म में जैकलीन मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि दो पुरुष कलाकारों को पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है। हालांकि, फिल्म का शीर्षक, अन्य कलाकारों के नाम और निर्देशक की जानकारी फिलहाल गोपनीय रखी गई है। फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत बड़े पैमाने पर किया जाएगा। निर्माताओं की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा जल्द किए जाने की संभावना है।

उज्जैन संभाग

स्कूल खुलते ही बसों की जांच, विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए चला अभियान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही यातायात पुलिस ने स्कूल बसों और छात्र परिवहन वाहनों की जांच शुरू कर दी। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बुधवार और गुरुवार को विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के तहत ट्रैफिक डीएसपी विक्रम कनपुरिया, डीएसपी दिलीप परिहार और यातायात थाना प्रभारी सूबेदार इंद्रपाल सिंह ने करीब 70 स्कूल बसों का निरीक्षण किया। ट्रैफिक डीएसपी दिलीप परिहार ने बताया कि नए सत्र के पहले दिन मोहन नगर चौराहे पर स्कूल वाहनों की विशेष जांच की गई। इस दौरान स्कूल बसों और अन्य छात्र परिवहन वाहनों में सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया। जांच के दौरान वाहनों की फिटनेस, वैध दस्तावेज, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, आपातकालीन निकास द्वार, स्पीड गवर्नर और सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। साथ ही वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस और परिचालकों की उपलब्धता भी देखी गई।

कमियां मिलने पर दिए सुधार के निर्देश

यातायात अधिकारियों ने स्कूल प्रबंधन और वाहन संचालकों को निर्देश दिए कि सभी छात्र परिवहन वाहनों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। जिन वाहनों में आवश्यक व्यवस्थाओं की कमी पाई गई, उन्हें तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से स्कूल वाहनों की नियमित जांच आगे भी जारी रखी जाएगी, ताकि छात्र सुरक्षित तरीके से स्कूल आ-जा सकें।

ब्रेक लॉक से ट्रेन में उठा धुआं, लुनिरीछा स्टेशन पर रोका ट्रेन, यात्रियों में अफरा-तफरी

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा ● नागदा में गुरुवार सुबह इंदौर से जोधपुर जा रही एक यात्री ट्रेन में एक कोच के पहियों से धुआं निकलने लगा। जिससे उस समय अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों को लगा कि ट्रेन में आग लग गई है, जिसके बाद आग लगने की अफवाह तेजी से फैल गई। घटना नागदा के पास लुनिरीछा रेलवे स्टेशन के पास हुई। जानकारी के अनुसार, ट्रेन के ब्रेक लॉक होने के कारण पहियों और ब्रेक सिस्टम के बीच अत्यधिक घर्षण उत्पन्न हो गया, जिससे धुआं निकलने लगा। इस धुएं को देखकर यात्रियों में हड़कंप मच गया। कुछ यात्रियों ने घटना के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रेन को लुनिरीछा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया। रेलवे कर्मचारियों और तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर संबंधित कोच और ब्रेक सिस्टम की जांच की। जांच में पुष्टि हुई कि ट्रेन में आग नहीं लगी थी, बल्कि ब्रेक लॉक होने के कारण हुए घर्षण से धुआं निकला था। आवश्यक तकनीकी परीक्षण और सुरक्षा जांच पूरी करने के बाद रेलवे अधिकारियों ने लगभग पांच मिनट के भीतर स्थिति को सामान्य कर लिया। इसके बाद ट्रेन को सुरक्षित रूप से उसके निर्धारित गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया। रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पंड्या ने बताया कि सूचना मिलते ही ट्रेन को तत्काल रोका गया था। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर पूरी जांच की गई और यह सुनिश्चित किया गया कि आगजनी का कोई खतरा नहीं है। सभी सुरक्षा मानकों का पालन करने के बाद ही ट्रेन को आगे रवाना किया गया। घटना के दौरान किसी यात्री के घायल होने या किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि धुएं को आग समझे जाने के कारण कुछ समय के लिए यात्रियों में चिंता और भ्रम की स्थिति जरूर बनी रही। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि ऐसी परिस्थितियों में अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

केमिकल फैक्ट्री के एचसीएल प्लांट में आग, डेढ़ घंटे बाद काबू पाया

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा ● नागदा में जर्मन कंपनी लैंक्सेस केमिकल इंडस्ट्रीज के एचसीएल (हाइड्रोक्लोरिक एसिड) प्लांट में बुधवार रात आग लग गई। घटना रात करीब 9 बजे प्लांट परिसर में स्थित एचसीएल टैंक में हुई। दमकल कर्मियों ने लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

जानकारी के अनुसार, लैंक्सेस केमिकल इंडस्ट्रीज के एचसीएल प्लांट में स्थित हाइड्रोक्लोरिक एसिड टैंक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें काफी ऊंचाई तक उठने लगीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग की भयावह लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं, जिससे आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों में दहशत और चिंता का माहौल बन गया। लैंक्सेस देश की प्रमुख रासायनिक कंपनियों में शामिल है, जहां बेंज़ायल क्लोराइड और हाइड्रोक्लोरिक एसिड सहित विभिन्न औद्योगिक रसायनों का उत्पादन किया जाता है। ऐसे में आग की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए।

दमकल की टीम ने डेढ़ घंटे में पाया काबू- घटना की सूचना मिलते ही कंपनी की फायर सेफ्टी टीम और दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। करीब डेढ़ घंटे तक लगातार प्रयास के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से यह अन्य टैंकों या प्लांट के दूसरे हिस्सों तक नहीं फैल सकी, जिससे संभावित बड़ा हादसा टल गया। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा के मद्देनजर प्लांट परिसर और आसपास के क्षेत्र में आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए। अधिकारियों ने हालात का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराई।

आग के कारण और नुकसान का होगा आकलन- प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग की इस घटना में किसी कर्मचारी या अन्य व्यक्ति के घायल होने अथवा हताहत होने की सूचना नहीं है। साथ ही अब तक किसी प्रकार के रासायनिक रिसाव की भी पुष्टि नहीं हुई है। इससे आसपास के क्षेत्र में किसी तरह का स्वास्थ्य संबंधी खतरा सामने नहीं आया है।

ब्रिज के नीचे डिवाइडर में मिला कंपनी कर्मचारी का शव

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● इंदौर रोड स्थित ब्रिज के नीचे एक निजी अस्पताल के सामने डिवाइडर के बीच मंगलवार रात एक युवक का शव मिला। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और युवक को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल में रात करीब 9 बजे डॉक्टरों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राहुल चौहान के रूप में हुई है।

घटना की जानकारी मिलते ही राहुल के परिजन, पत्नी और बच्चे जिला अस्पताल पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि राहुल एक कंपनी में काम करते थे। परिजनों को इस बात की जानकारी नहीं है कि यह घटना किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल युवक की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवक की मौत दुर्घटना, किसी अन्य कारण या संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है।

इंदौर। एबी रोड पर शासकीय आर्ट्स कॉलेज के सामने गुरुवार दोपहर चलती कार आई-20 में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची। आग बुझाने के दौरान कुछ समय के लिए फ्लाईओवर के एक हिस्से का यातायात भी रोकना पड़ा। अच्छी बात यह रही कि कार सवार पहले ही उतर गया, जिससे जनहानि नहीं हुई।

सीएम का फोटो जलाने की कोशिश में हंगामा

पुलिस को कहा- 'गुलाम', कांग्रेस नेत्री का वायरल वीडियो चर्चा में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ■ राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का नामांकन-पत्र निरस्त किए जाने के विरोध में गुरुवार शाम कलेक्टोरेट के सामने कांग्रेस महिला विग के प्रदर्शन के दौरान विवाद खड़ा हो गया। प्रदर्शन के बीच कांग्रेस नेत्री शशि हाड़ा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें वे पुलिसकर्मियों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करती दिखाई दे रही हैं।

कलेक्टोरेट के बाहर प्रदर्शन कर रही महिला कार्यकर्ताओं को पुलिस ने आगे बढ़ने से रोका तो कांग्रेस नेत्री नाराज हो गईं। वायरल वीडियो में वे पुलिसकर्मियों से कहती सुनाई दे रही हैं- 'तुम वर्दी में गुलाम हो...' वीडियो सामने आने के बाद भाजपा समर्थकों सहित कई लोगों ने इसकी आलोचना की। सोशल मीडिया पर इसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं भी मिल रही हैं।

प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के खिलाफ नारेबाजी भी की। इस बीच उन्होंने अपने साथ लाया मुख्यमंत्री का फोटो जलाने का प्रयास किया। फोटो जलाते समय पुलिस ने उसे छीनने की कोशिश की, जिससे पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी हो गई। कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने फोटो अपने कब्जे में ले लिया... हालांकि तब तक वह काफी हद तक जल चुका था। मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्त होने के विरोध में कांग्रेस की महिला विग प्रदेशभर में प्रदर्शन कर रही है।

यशवंत सागर से बढ़ेगी जलापूर्ति, अब छह नहीं दस टंकियां भर सकेगा निगम

प्रतिदिन 54 एमएलडी पानी लिया जाता

निगम नई योजना पर कर रहा काम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ■ इस वर्ष गर्मी के मौसम में सामने आए जल संकट के बाद नगर निगम ने शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। निगम अब यशवंत सागर से अधिक पानी लेने की योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए देवधरम फिल्टर स्टेशन स्थित जल शोधन संयंत्र (ट्रीटमेंट प्लांट) की क्षमता बढ़ाई जाएगी, जिससे शहर के पश्चिमी हिस्से में अतिरिक्त जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। वर्तमान में यशवंत सागर से प्रतिदिन 54 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) पानी लिया जाता है। इस पानी से छह जल टंकियां भरी जाती हैं और सुपर कॉरिडोर क्षेत्र के कुछ संस्थानों को भी आपूर्ति की जाती है। प्रस्तावित विस्तार के बाद यशवंत सागर से अधिक पानी का शोधन हो सकेगा और छह की बजाय दस टंकियों तक पानी पहुंचाया जा सकेगा। इससे बड़ी संख्या में लोगों के घर तक जलापूर्ति होगी।

15 साल पहले बढ़ाई गई थी यशवंत सागर की ऊंचाई-नगर निगम अधिकारियों के अनुसार करीब 15 वर्ष पहले यशवंत सागर बांध की ऊंचाई बढ़ाई गई थी, जिसके कारण अब जून माह तक भी इसमें पर्याप्त जल उपलब्ध रहता है। निगम इसी अतिरिक्त जल भंडारण क्षमता का अधिकतम उपयोग करना चाहता है, ताकि गर्मी के दिनों में नर्मदा पर निर्भरता कम हो और शहर को राहत मिल सके। जलकार्य समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा 'बबलू' ने बताया कि परियोजना पर जल्द काम शुरू किया जाएगा। उनका कहना है कि यशवंत सागर का पानी आर्थिक दृष्टि से भी निगम के लिए लाभदायक है। घरों तक इसकी आपूर्ति की लागत लगभग 12 रुपये प्रति हजार लीटर आती है, जबकि नर्मदा जल की लागत करीब 26 रुपए प्रति हजार लीटर है।

आयुर्वेद चिकित्सा पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स के लिए बेहतर खबर

दस वर्ष में भी डिग्री नहीं कर पाए छात्र अब परीक्षा पास कर बन सकेंगे डॉक्टर

भारतीय चिकित्सा आयोग का फैसला, साढ़े पांच साल में बीएएमएस डिग्री से डॉक्टर बनने की समय-सीमा समाप्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ■ राज्य के आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों में अध्यापन कर रहे स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर आई है। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (नेशनल कमीशन फॉर इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन) नई दिल्ली के अंतर्गत बोर्ड ऑफ आयुर्वेद ने उन छात्रों के हित में बड़ा फैसला लिया है, जो किन्हीं कारणवश अधिकतम प्रयासों की सीमा 10 वर्ष में भी बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन एण्ड सर्जरी (बीएएमएस) की साढ़े पांच वर्षीय डिग्री पूरी नहीं कर पाये थे। ज्यादातर छात्र फाइनल ईयर के पूरे विषयों में उत्तीर्ण नहीं हो सके थे। इनको बड़ी राहत प्रदान की गई है।

बोर्ड ऑफ आयुर्वेद एनसीआईएसएम के प्रेसीडेंट डॉ अल्लमप्रभु गुड्डा ने इस संबंध में सर्कुलर पत्र जारी कर स्पष्ट कर दिया है। उक्त पत्र के अनुसार भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक संशोधन विनियम 2016 के तहत प्रवेश पाने वाले छात्रों पर प्रयासों की अधिकतम संख्या और वर्षों की अधिकतम अवधि लागू नहीं होगी। यह आदेश मध्यप्रदेश के अलावा राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात, नईदिल्ली, हरियाणा, बिहार, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, समेत देशभर के 2021-22 बैच के पूर्व बैचों के छात्र लाभ ले सकेंगे।

अभिभावकों द्वारा लगातार लिखे जा रहे थे पत्र

इस समस्या को लेकर अनेक संस्थानों व छात्र-अभिभावकों एवं संगठनों द्वारा कई वर्षों से संबंधित अवधि को समाप्त करने के लिए पत्र लिखे थे। नतीजतन एनसीआईएसएम ने छात्रहित में यह फैसला लिया है। आयुष मेडिकल एसोसिएशन भी अनेक वर्षों से आयोग व अनेक विवि को इस समस्या से अवगत कराता रहा है। संघ के अनुसार निश्चित रूप से इस निर्णय से छात्रों का भविष्य बचाया जा सकेगा। प्रदेश समेत देशभर में 625 से ज्यादा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज संचालित हैं जहां डेढ़ लाख से ज्यादा छात्र अध्ययनरत हैं। छात्र ध्यान रखें कि इंडियन मेडिसिन सेंट्रल काउंसिल (भारतीय चिकित्सा में शिक्षा के न्यूनतम मानक) संशोधन विनियम 2016 के तहत 2021-22 शैक्षणिक वर्ष के पहले प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्र ही लाभ ले सकेंगे।

बेंचमार्क इश्यूएंस स्ट्रैटेजी के तहत पूर्व में जारी कर दिया जाएगा कर्ज लेने के लिए कैलेंडर

कर्ज लेने में नहीं चलेगी सरकार की मर्जी अब जब टर्म आएगा, तब लेना होगा लोन

- मप्र समेत चुनिंदा नौ राज्यों में चालू वित्तीय वर्ष में पायलट आधार पर बेंचमार्क इश्यूएंस स्ट्रैटेजी लागू
- मप्र सरकार अमूमन मई-जून से लोन लेना शुरू करती थी, लेकिन इस बार अप्रैल, मई व जून (अब तक) में 11,000 करोड़ का लिया कर्ज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ■ अमूमन मप्र सरकार पिछले वर्षों में नया वित्तीय वर्ष शुरू होने पर मई-जून से कर्ज लेना शुरू करती थी, लेकिन इस साल सरकार ने अप्रैल की शुरुआत में ही बाजार से कर्ज लेना शुरू कर दिया है और लोन लेने का सिलसिला जारी है। मप्र सरकार अप्रैल, मई और जून (अब तक) में पांच बार में 11,000 करोड़ का कर्ज ले चुकी है। सरकार ने अप्रैल में दो बार में 4600 करोड़ और मई में भी दो बार में 4600 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। सरकार जून में एक बार में 1800 करोड़ का कर्ज

ले चुकी है। 31 मार्च, 2026 की स्थिति में मप्र सरकार पर करीब 4.88 लाख करोड़ से ज्यादा का कर्ज था, जो अब बढ़कर 4.99 लाख करोड़ से अधिक हो गया है। मप्र सरकार का वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट चार लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए का है।

वित्त विभाग से मिली आधिकारिक जानकारी के मुताबिक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से लोन लेने की प्रक्रिया में नए वित्तीय वर्ष 2026-27 से बड़ा बदलाव हुआ है। अब राज्य मर्जी से लोन लेने की प्रक्रिया में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने तय किया है कि राज्यों को अब बैंक की ओर से निर्धारित तारीख पर कर्ज लेना पड़ेगा। इसके लिए पूर्व में ही कैलेंडर जारी कर दिया जाएगा। यही वजह है कि मप्र सरकार नए वित्तीय वर्ष के शुरुआती तीन महीने-अप्रैल, मई और जून में पांच बार कर्ज ले चुकी है। दरअसल, आरबीआई ने मप्र समेत नौ चुनिंदा राज्यों के लिए नए वित्तीय वर्ष में राज्य विकास ऋणों (एसडीएल) के लिए पायलट आधार पर बेंचमार्क इश्यूएंस स्ट्रैटेजी (बीआईएस) लागू की है।

बीआईएस राज्य विकास ऋणों के लिए एक संरचित उधार ढांचा है। इसमें राज्य सरकारें पहले से घोषित उधार कैलेंडर के अनुसार बॉन्ड जारी करेंगी। बॉन्ड केवल कुछ मानकीकृत (स्टैंडर्ड) अवधियों में, जैसे 5 वर्ष, 10 वर्ष, 15 वर्ष के लिए जारी होंगे। निवेशकों को पहले से पता रहेगा कि कब और कितनी राशि के बॉन्ड जारी होंगे।

पहले राज्य किसी भी अनियमित समय अवधि (जैसे 7 साल या 9 साल) के बॉन्ड जारी कर देते थे, जिससे छोटे छोटे टुकड़ों में बाजार बंट जाता था। निवेशकों को खरीद-बिक्री में कठिनाई होती थी। जानकारी के मुताबिक आरबीआई ने गत मार्च में मुंबई में मप्र समत अन्य राज्यों के वित्त अधिकारियों की बैठक बुलाई थी। बैठक में अधिकारियों को बीआईएस लागू करने के बाद कर्ज लेने की प्रक्रिया में हो रहे बदलाव की जानकारी दी गई थी। उन्हें यह भी बताया गया था कि कर्ज लेने की प्रक्रिया में बदलाव क्यों किया जा रहा है। इससे राज्यों को क्या फायदा होगा।

पानी पर बीजेपी मंडल मंत्री केशव मीणा और पार्षद पुत्र कटारिया में विवाद, दोनों पर एफआईआर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ■ इंदौर में पानी को लेकर हुए राजनीतिक विवाद में फिर बीजेपी नेता आपस में भिड़ गए हैं। मामला आजादनगर के वार्ड 51 का है। इसमें हाइड्रेंट से पानी भरने को लेकर बीजेपी के ज्योतिबा फुले मंडल के मंत्री केशव मीणा और पार्षद मलखान सिंह कटारिया के बेटे विजय कटारिया के बीच में विवाद हुआ। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। मामला थाने पहुंचा और दोनों पर केस भी दर्ज किया गया है।

मंडल मंत्री केशव मीणा के साथ ही उनके साथी महेश मीणा, मोहित मीणा व मनीष मीणा पर धारा 115(2), 296बी, 351(3) व 3(5) के तहत केस हुआ है। फरियादी इसमें अजय शेखावत है। एफआईआर में लिखा है कि सरकारी बोरिंग से पानी टैंकरों में भरवा रहा था। तभी केशव मीणा अपने साथियों के साथ आए और गालियां दीं। फिर टैंकर में लगा पाइप निकालकर रिक्शे में लाए ड्रम में पानी भरने लगे थे। मैंने मना किया तो मीणा ने चाकू निकालकर मार दिया था। बचाव के लिए विजय कटारिया, अमर सिंह कटारिया, शेरसिंह कटारिया आए थे। इनके साथ भी मारपीट की। विजय को महेश ने लोहे के पाइप से मारा था। वहीं थाना आजादनगर में ही केशव मीणा की शिकायत पर इन्हीं धाराओं में क्रॉस एफआईआर हुई है। इसमें आरोपी पार्षद पुत्र विजय कटारिया के साथ ही अजय शेखावत, पिंटू शेखावत बने हैं।

एफआईआर में लिखा है कि मैं जब पानी लेने हाइड्रेंट पर गया तो वहां ड्राइवर पिंटू शेखावत ने कहा कि यहां पार्षद मलखान सिंह कटारिया की मंजूरी के बिना पानी नहीं देते हैं। पिंटू ने गालियां दीं। मना किया तो पिंटू ने पार्षद कटारिया को फोन करके बुलाया था। उनका बेटा विजय कटारिया, साथी अजय व अन्य आए और मेरे साथ लोहे के पाइप से मारपीट की। उधर यह विवाद बीजेपी दफ्तर तक पहुंच गया है। केशव मीणा ने पार्षद के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट भी डाली लेकिन बाद में डिलीट कर दी। मामला विधायक महेंद्र हार्डिया तक भी पहुंचा है और वह समझौते में जुटे हैं। पानी को लेकर पहले बीजेपी पार्षद बालमुकुंद सोनी के बेटे का निगम कर्मचारियों के साथ मई में विवाद हो चुका है। विधायक महेंद्र हार्डिया भी बोल चुके हैं कि पानी की समस्या है और महापौर के यहां धरना दूंगा। बाद में संगठन से फटकार के बाद बात से पलटे।

केंद्रीय संग्रहालय में जल्द दर्शक देख सकेंगे 125 से अधिक प्रतिमा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ■ केंद्रीय संग्रहालय में तेजी से कायाकल्प का काम चल रहा है जिसमें पुरातत्व विभाग की ओर से कई बदलाव भी किए जा रहे हैं। यहां पर जल्द ही दर्शकों को लगभग 150 के आस-पास नई आकर्षक प्रतिमाएं देखने को मिल सकती है। इसे सजाने संवारने का काम इन दिनों चल रहा है। बताया जा रहा है कि यहां सबसे पहले आकर्षक गेट में बदलाव नई डिज़ाइन के अनुसार किया है। इसके साथ ही रंग रोगन के साथ-साथ केंद्रीय संग्रहालय में कई काम यहां हो रहे हैं ताकि नई कलाकृतियों और प्रतिमाओं में बदलाव हो और उस अनुसार यहां पर काम हो सकता है। अभी की स्थिति में तरह तरह की लाइटिंग लगाई जा रही है ताकि जल्द ही काम हो सकें।

महाकाल लोक बनाने वाली कंपनी के मनोज बाबरिया अमेरिका जाने की जुगत में, सीबीआई ने रोका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ■ उज्जैन में महाकाल लोक बनाने वाली एमपी बाबरिया कंपनी के प्रमुख मनोज बाबरिया अमेरिका जाने की जुगत में हैं। सीबीआई ने जल निगम के फर्जी बैंक गारंटी मामले में उन पर धोखाधड़ी का केस किया है। वहीं, वह अमेरिका जाने में जुटे थे। सीबीआई ने झटका दे दिया है।

मध्य प्रदेश जल निगम में फर्जी बैंक गारंटी कांड में तीर्थ गोपीकॉन कंपनी और एमपी बाबरिया दोनों उलझी हुई हैं। गोपीकॉन पर आरोप है कि उसने 183 करोड़ की बैंक गारंटी फर्जी दी और ठेके लिए थे। वहीं एमपी बाबरिया पर 67 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी पेश करने का आरोप है। हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने इसमें जांच कर दिसंबर 2025 में दोनों कंपनियों के प्रमुखों के साथ अन्य आरोपियों पर केस किया है। वहीं बाबरिया कारण बता रहे थे कि उनका वहां भी बिजनेस है। बच्चों और परिवार से मिलना है।

बाबरिया फिर लौटेंगे नहीं, सीबीआई ने खोली पोल

इस केस में पहले जिला कोर्ट इंदौर से मनोज बाबरिया की अग्रिम जमानत खारिज हो गई थी। वहीं, हाईकोर्ट ने 1 जून को कुछ शर्तों के साथ जमानत मंजूर कर ली। इसके बाद बाबरिया अमेरिका जाने में जुट गए थे। वहीं, इस मामले में सीबीआई ने उनके केस को लेकर जिला कोर्ट में पोल खोल दी। साथ ही कहा कि वह अमेरिका जाकर लौटेंगे ही नहीं, क्योंकि उन पर संगीन आरोप हैं। बाबरिया की पत्नी और दोनों बच्चे वहीं सेटल हैं और वह खुद ग्रीन कार्ड होल्डर हैं। ऐसे में एक बार विदेश जाने की छूट मिली तो वह लौटेंगे नहीं।

भूमाफिया पर कोर्ट- जमीनों की हेराफेरी बढ़ रही, जमानत दी तो जांच प्रभावित करेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ■ इंदौर में जमीन की जादूगरी और खेल की जानकारी कोर्ट को भी है। भूमाफिया नीलेश अजमेरा की अग्रिम जमानत याचिका पर जिला कोर्ट ने लिखित टिप्पणी की है। इसमें साफ कहा है कि मामले कीमती जमीनों से जुड़े हैं। लगातार हेराफेरी हो रही है। इसलिए जमानत नहीं दे सकते हैं।

भूमाफियाओं को लेकर इंदौर में लगातार केस सामने आते रहे हैं। इसमें कुख्यात नामों में भूमाफिया रितेश उर्फ चंपू अजमेरा, उसका भाई नीलेश अजमेरा और दीपक मद्दा जैसे शामिल हैं। जमीन धोखाधड़ी के केस में नीलेश ने जमानत याचिका लगाई थी। वहीं, इंदौर जिला कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया है। यह केस साल 2016 में बाणगंगा थाने में दर्ज आपराधिक मामला है। इसमें चंपू अजमेरा, महावीर जैन, निकुल कपासी, हैप्पी उर्फ जितेंद्र

धवन सहित कई आरोपी हैं। इसमें नीलेश कभी गिरफ्तार नहीं हुआ। उसे अब डर है कि गिरफ्तारी हो सकती है। ऐसे में उसने जिला कोर्ट में आवेदन लगाया था कि अग्रिम जमानत दी जाए।

पुलिस ने कहा कि 9 अपराध हैं-नीलेश ने यह कहकर जमानत मांगी कि सुप्रीम कोर्ट के 26 नवंबर 2021 के आदेश के बाद इसमें पीड़ितों का निराकरण हुआ था। हाईकोर्ट ने रिटायर्ड जस्टिस ईश्वर सिंह श्रीवास्तव की कमेटी बनाई। इसमें पूरा सहयोग किया। हाईकोर्ट ने भी दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा रखी है, लेकिन गिरफ्तारी की आशंका है। वहीं पुलिस ने बताया कि पीड़ित महिला अलका चित्तौड़ा की शिकायत की जांच की तो 22 और फरियादी सामने आए है। आरोपी पर नौ आपराधिक केस हैं। इसमें राशि लेकर प्लॉट नहीं दिया गया है।

जिला कोर्ट ने यह कहा-जिला कोर्ट न्यायाधीश मनीष लोवंशी ने आवेदन खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि केस डायरी से साफ है कि कीमती भूमि की अफरातफरी व धोखाधड़ी कर आर्थिक लाभ प्राप्त करने जैसे गंभीर अपराध हैं। इसकी जांच भी जारी है।

वर्तमान में जमीनों की हेराफेरी के मामलों में जिस प्रकार से बढ़ोतरी हो रही है, उसे देखते हुए इस चरण पर आरोपी नीलेश को अग्रिम जमानत नहीं दिया जा सकता है। जमानत मिलने पर वह जांच को प्रभावित कर सकता है, इसकी संभावना भी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।